लेखाशास्त्र

अध्याय-7: ऋणपत्रो का नियम एवम मोचन

SHIVOM CLASSES 8696608541

साझेदारी फर्म को विघटन

भारतीय साझेदारी अधिनियम, 1932 के अनुसार जब एक फर्म (सार्थ) के सभी साझेदार आपस में, पूर्व स्थापित सम्बन्ध विच्छेद कर लें तो इसे साझेदारी फर्म का विघट कहते हैं। एक फर्म के विघटन के बाद फर्म का व्यवसाय अनिवार्यतः समाप्त हो जाता है क्योंकि व्यवसाय समाप्त हुए बिना फर्म का विघटन नहीं हो सकता।

भारतीय साझेदारी अधिनियम, 1932 की धारा 39 के अनुसार, “फर्म के समस्त साझेदारों के बीच साझेदारी समाप्त हो जाने को फर्म का विघटन कहते हैं।”

जब एक या कुछ साझेदारों के मध्य साझेदारी सम्बन्ध समाप्त होता है, अथवा एक या कुछ साझेदार फर्म से अलग हो जाते है तो साझेदारी का विघटन कहते हैं। ऐसी दशा में शेष पुनर्गठन (नवीन समझौता) कर व्यवसाय चालू रख सकते हैं।

फर्म का विघटन एवं साझेदारी के विघटन में अन्तर-

फर्म का विघटन होने पर साझेदारी का भी विघटन हो जाता है लेकिन साझेदारी का विघटन होने पर फर्म का विघटन होना आवश्यक नहीं है। किसी साझेदार के प्रवेश करने पर या अवकाश ग्रहण करने पर या किसी साझेदार की मृत्यु हो जाने पर साझेदारों के मध्य पूर्व में हुआ समझौता समाप्त हो जाता है तथा बाद में एक नया समझौता कर व्यवसाय जारी रखा जा सकता है। जबकि फर्म के विघटन में साझेदारी के अन्त के साथ व्यवसाय का भी अन्त हो जाता है।

साझेदारी फर्म के विघटन की परिस्थितियाँ ‘या’ ढंग-

साझेदारी फर्म के विघटन की परिस्थितियों को भारतीय साझेदारी अधिनियम, 1932 की धाराएं 40 से 44 तक स्पष्ट किया गया है जिनका वर्णन निम्नानुसार हैं-

1) **ठहराव द्वारा विघटन (Dissolution by Agreement) (धारा 40)-** फर्म के विघटन के लिए जब सभी साझेदार सहमत हो या साझेदारी संलेख में अथवा उनके बीच में ऐसा कोई अनुबन्ध हुआ हो।

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

SHIVOM CLASSES 8696608541

2) **अनिवार्य विघटन (Compulsory Dissolution or dissolution by the Operation of Law) (धारा 41) –** निम्नलिखित परिस्थितियों के अन्तर्गत किसी फर्म का अनिवार्य विघटन हो जाता है:

- जब कोई ऐसी घटना हो जाये तो फर्म के व्यवसाय के संचालन को अवैधानिक बना दें।
- जब सब या एक को छोड़कर शेष साझेदार न्यायालय द्वारा दिवालिया घोषित (मान्य) कर दिये जायें।

1) **आकस्मिक घटना के घटित होने पर विघटन (Dissolution on the happening of Unexpected Event) (धारा 42)-** इसके अन्तर्गत निम्नलिखित दशाओं में से किसी भी दशा में फर्म का विघटन हो जाता है-

- यदि साझेदारी का गठन एक निश्चित अवधि के लिए हुआ है तथा वह अवधि समाप्त हो गयी है;
- यदि साझेदारी का गठन एक या कुछ उपक्रम अथवा उद्देश्य के लिए किया गया है तो उसके पूर्ण होने पर;
- किसी साझेदार के दिवालिया घोषित हो जाने पर;
- किसी साझेदार की मृत्यु होने पर।

2) **सूचना द्वारा विघटन (Dissolution by Notice of Partnership at Will) (धारा 43)-** यदि साझेदारी ऐच्छिक है तो कोई भी भी साझेदार अन्य साझेदारों को फर्म के विघटन से सम्बन्धित, अपने अभिप्राय की लिखित सूचना देकर फर्म का विघटन करा सकता है।

3) **न्यायालय द्वारा विघटन (Dissolution by Court) (धारा 44)-** किसी साझेदार द्वारा वाद प्रस्तुत करने पर न्यायालय द्वारा निम्नलिखित परिस्थितियों में फर्म का विघटन सम्बन्धी आदेश पारित किया जा सकता है :

- जब कोई साझेदार अस्वस्थ मस्तिष्क का हो गया है।
- जब कोई साझेदार किसी कारण से साझेदार के रूप में अपने कर्तव्यों का निष्पादन करने में स्थायी रूप से अयोग्य हो गया है।
- जब कोई साझेदार ऐसे आचरण का दोषी हो जिससे व्यवसाय को क्षति पहुँचने की सम्भावना हो या हो रही हो।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

- जब कोई साझेदार निरन्तर और जान-बूझकर आपसी समझौते या साझेदारी संलेख का उल्लंघन करता है।
- जब कोई साझेदार, फर्म में निहित अपने समस्त हितों को किसी तीसरे व्यक्ति (पक्षकार) को हस्तान्तरित कर दे।
- जब फर्म का व्यवसाय बिना हानि के चलाया जाना सम्भव न हो।
- जब किसी कारण से फर्म का विघटन न्यायालय के दृष्टिकोण से उचित एवं न्यायसंगत हो।

ऋण पत्र

ऋण पत्र से कम्पनी दीर्घकालीन ऋण प्राप्त करती है इसमें कम्पनी निवेशको को एक निश्चित प्रतिशत पर ब्याज देती है चाहे कम्पनी को लाभ हो या नहीं। जब कम्पनी को पूंजी की आवश्यकता होती है तब कम्पनी ऋण पत्र जारी करके पूंजी प्राप्त करती है या हम कह सकते हैं कि ऋणदाता कम्पनी को ऋण देता है और कम्पनी उस ऋण की एक रसीद ऋण पत्र के रूप में प्रदान करता है ऋणदाता को कम्पनी मे प्रबंध या मताधिकार नहीं होता। उदाहरण एक कम्पनी में एक लाख रूपये की आवश्यकता है जो 100 रू0 प्रत्येक वाले 1000 इकाइयों में विभाजित है। धनदाता इच्छानुसार कितनी भी संख्या में इकाइयों का क्रय कर सकता है। इसके पश्चात कम्पनी ऋणदाता द्वारा क्रय की गयी इकाइयों का प्रमाण पत्र जारी करती है। अतः ऋणपत्र कम्पनी के ऋणग्रस्त होने का प्रमाण है, जो कम्पनी द्वारा जारी किया जाता है जो कम्पनी की समानों पर प्रभावित/अप्रभावित होती है तथ्यों की दृष्टि से ऋण पत्र की कोई विधिक परिभाषा नहीं है।

ऋण पत्र से लाभ

1. ऋण पत्र सुरक्षित ऋण है
2. समता अंशधारी एवं पूर्वाधिकारी अंशधारी से पहले ऋण पत्रधारियों को कम्पनी समापन की दशा में भुगतान किया जाता है।
3. लाभ-हो या हानि ऋणदाताओं को दबाव दिया जाता है।
4. ऋण पत्रधारी प्रबंध पर हस्तक्षेप नहीं करते।

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

5. ऋण पत्रो पर दिया गया दबाव कम्पनी व्यय मानती है।

ऋण पत्र की सीमायें

1. ऋण कंपनी के पास स्थाई सम्पित्त् नहीं होती ऋण पत्र का निर्वचन नही कर सकती।
2. ऋण पत्र कम्पनी के उधार लेने की क्षमता को कम कर देता है।

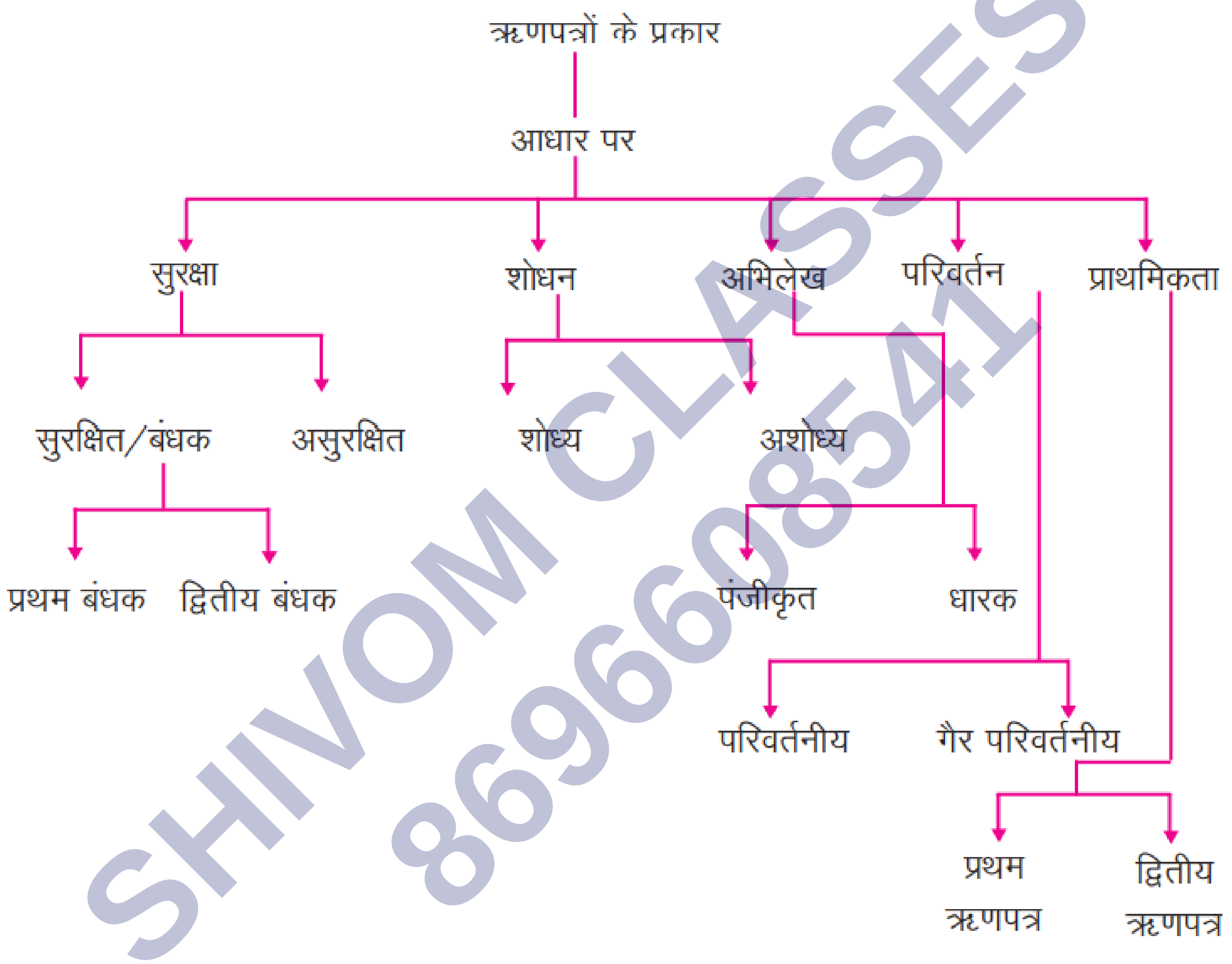

SHIVOM CLASSES 8696608541

ऋण पत्र के प्रकार

संयुक्त स्कंध कम्पनी में ऋणपत्रों के प्रमुख प्रकार निम्न हैः-

1. **सामान्य ऋण पत्र-** इन्हें नग्न ऋणपत्र भी कहा जाता है। इस प्रकार के ऋणपत्र बिना प्रतिभूति के जारी किये जाते हैं। कम्पनी में समापन के समय ऐसे ऋण पत्रधारी असुरक्षित लेनदार माने जाते हैं। इसलिये यह ऋण पत्र आज-कल लोकप्रिय नहीं हैं।

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

2. **शोधनीय एवं अशोधनीय ऋण पत्र-** ऋण पत्र जिनकी धन वापसी एक निश्चित तिथी पर होती है शोधनीय ऋण पत्र है और समापन की दशा में निम्न ऋण पत्रों का करती है अशोधनीय ऋण पत्र है।
3. **परिवर्तनीय या अपरिवर्तित ऋण पत्र-** जिन ऋण पत्रों को समता अंश में बदलने का अधिकार दिया जाता है पर परिवर्तनीय ऋण पत्र है और जिन ऋण पत्रों को समता अंश में परिवर्तन करने का अधिकार नहीं दिया वह अपरिवर्तनीय ऋण पत्र है।
4. **सुरक्षित या असुरक्षित ऋण पत्र-** सुरक्षित ऋण पत्रों को कम्पनी अपनी सम्पित्त के प्रभार के रूप में निर्गमित करती है असुरक्षित ऋण पत्र जो सम्पित्त के बिना प्रभार पर केवल भुगतान वापसी की शर्त पर निर्गमित करती है।
5. **पंजीकृत एवं वाहक ऋण पत्र-** जब ऋण पत्र धारियों को ऋण पत्र नियोजन करते समय पंजीकृत करके ऋण पत्र देती है वह पंजीकृत ऋण पत्र है जो ऋण पत्र सुपुदर्गी मात्र से हस्तान्तरित किया जा सकता है वह वाहक ऋण पत्र है।
6. **बन्धक ऋणपत्र-** ऐसे ऋण पत्र जो कम्पनी की स्थायी सम्पत्तियों जैसे प्लाण्ट, मशीनरी, भूमि व भवन द्वारा सुरक्षित होते हैं, बन्धक ऋणपत्र कहलाते हैं। यह दो प्रकार के होते हैं-
   - प्रथम बन्धक ऋणपत्रधारी को कम्पनी की सम्पत्ति पर दावा करने का प्रथम अधिकार होता है।
   - द्वितीय बन्धक ऋणपत्रधारियों का कम्पनी की सम्पत्ति पर द्वितीयाधिकार होता है।
7. **मोचनीय ऋण पत्र-** इन ऋणपत्रों की राशि का दुबारा भुगतान निर्दिष्ट समय के बाद होता है। इन ऋणपत्रों का निकासी इस शर्त के साथ होता है कि कम्पनी निश्चित तिथि पर उसका दुबारा भुगतान कर देगी। वर्तमान समय में यह ऋण पत्र प्रचलित है।
8. **अविमोचनीय ऋण पत्र (अविच्छिन्न ऋणपत्र)**- ऐसे ऋणपत्रों पर राशि का दुबारा भुगतान विशिष्ट घटना में घटित होने पर की जाती है।
9. **चल ऋणपत्र-** इस प्रकार के ऋण पत्र कम्पनी की सभी सम्पत्तियों पर चल प्रभार द्वारा सुरक्षित रहते हैं। इन सम्पत्तियों में विनिमय विपत्र, स्टाक तथा पुस्तकीय ऋण आते हैं। यह कम्पनी के अन्य लेनदारों के असफल होने पर ऋणपत्रधारी के पक्ष में प्रभार उत्पन्न करते हैं।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

10. **संयंत्र प्रन्यास ऋणपत्र-** यह ऋण पत्र विशेष उद्देश्यों के लिये जारी किये जाते हैं। ऐसे ऋणपत्रों को व्यवसाय के संचालन ले किए किसी संयंत्र को खरीदने के लिए धन की व्यवस्था करने के लिये किया जाता है।
11. **आय ऋण पत्र**- इस प्रकार के ऋणपत्रों के धारक चालू वर्ष के लाभ में से निश्चित दर पर ब्याज प्राप्ति के अधिकारी होते हैं। यदि कम्पनी के लाभ नहीं होता है तो उसे कोई ब्याज प्राप्त नहीं होगा। इसलिये यह ऋणपत्र आजकल प्रचलित नहीं है।
12. **विधिक ऋण पत्र-** जहां कम्पनी की सम्पत्ति का स्वामित्व संविदा द्वारा धनदाता को ऋण की सुरक्षा में हस्तान्तरित किया जाता है, को विधिक ऋण पत्र कहा जाता है।

ऋणपत्र की विशेषताएं

ऋणपत्र से निम्न परिलक्षित होती है-

1. यह धारक के लिये प्रमाण पत्र में शर्त रखी धनराशि के लिए कम्पनी के ऋणी होने की स्वीकार पत्र है। यह ऋण पत्र की मुख्य विशेषता है।
2. यह कम्पनी की समान मुद्रा के अन्तर्गत प्रमाण पत्र के रूप में जारी की जाती है।
3. इसमें उल्लिखित मूल राशि एक निश्चित तिथि पर भुगतान की जाती है। लेकिन यह आवश्यक नहीं है क्योंकि कम्पनी लगातार या अशोधनीय ऋणपत्रों को जारी कर सकती है जो कम्पनी के समाप्ति या अन्य घटना में घटित होने पर ही भुगतान योग्य होते हैं (धारा 120)
4. इसमें ब्याज के भुगतान का प्रावधान तब तक होता है जब तक कि मूलराशि को वापस न कर दिया जाय। यह आवश्यक नहीं है क्योंकि हो सकता है कि ब्याज का भुगतान किसी निश्चित घटना के घटने पर ही हो।
5. यह ऋणपत्रों की श्रृंखला में जारी किये जाते हैं। एक व्यक्ति को एक ऋणपत्र जारी किये जा सकता है।
6. यह कम्पनी की कुछ सम्पत्तियों के प्रभार द्वारा सुरक्षित होते हैं। ऋण पत्रों की कम्पनी की सम्पत्ति पर बिना प्रभार के भी जारी किया जा सकता है।
7. ऋणपत्रधारी को कम्पनी की किसी सभा में मत देने का अधिकार नहीं है। (धारा 117)

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

ऋण-पत्रों का शोधन

ऋण-पत्रों के शोधन का आशय ऋण-पत्रों का भुगतान करने से है अर्थात् ऋण-पत्र की राशि ऋण-पत्रधारियों को वापस करने से है। ऋण-पत्रों का शोधन निम्नलिखित विधियों द्वारा किया जा सकता है-

(1) ऋण-पत्रों का परिवर्तन के द्वारा शोधन-

इस विधि के अन्तर्गत कम्पनी ऋण-पत्रधारियों को यह सुविधा देती है कि निश्चित अवधि के बाद वे अपने ऋण-पत्रों को लौटाकर इनके बदले में समता या पूर्वाधिकार अंश ले सकते हैं।

(2) ऋण-पत्रों का निर्धारित अवधि के पश्चात् शोधन-

इस विधि के द्वारा कम्पनी पूर्व निर्धारित तिथि पर या ऋण-पत्रों के धारकों को एक अधिसूचना जारी करके किसी निश्चित तिथि पर ऋण-पत्रों का भुगतान कर सकती है। इसके अन्तर्गत निम्न दो विधियों द्वारा भुगतान हो सकता है

(A) सिकिंग फण्ड-

सिकिंग फण्ड दो प्रकार का होता है-

(i) संचयी सिकिंग फण्ड-

इसके अन्तर्गत प्रतिवर्ष लाभ में से एक निश्चित धनराशि निकालकर इस फण्ड में हस्तान्तरित कर दी जाती है उसे चक्रवृद्धि ब्याज वाली प्रतिभूतियों में विनियोजित कर दिया जाता है तथा निश्चित अवधि के बाद विनियोगों को बेचकर ऋण-पत्रों का शोधन किया जाता है।

(ii) (A) असंचयी सिकिंग फण्ड-

इस विधि के अन्तर्गत प्रतिवर्ष लाभ में से एक से निश्चित राशि सिकिंग फण्ड में तो हस्तान्तरित की जाती है और उसे प्रतिभूतियों में विनियोजित किया जाता है, परन्तु ब्याज की राशि को उसमें विनियोजित न करके सीधे लाभ-हानि खाते में क्रेडिट कर दिया जाता है।

(B) बीमा पॉलिसी पद्धति-

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

कभी-कभी ऋण-पत्रों का शोधन के लिए एक बीमा पॉलिसी के प्रीमियम पर प्रतिवर्ष ब्याज नहीं मिलता, वरन् एक निश्चित अवधि के पश्चात् मूलधन व ब्याज सहित राशि प्राप्त हो जाती है और उस राशि से एक ऋण-पत्रों का शोधन किया जा सकता है।

(3) वार्षिक किस्तों द्वारा ऋण-पत्रों का शोधन-

कम्पनी प्रत्येक वर्ष एक निर्धारित संख्या के ऋण-पत्रों का शोधन करती है। लेकिन ऋण-पत्रों का शोधन किया जायेगा, इसका निर्धारण लॉटरी द्वारा किया जाता है। वार्षिक किस्तों द्वारा ऋण-पत्रों का शोधन का आशय यह नहीं है कि ऋण-पत्रों के अंकित मूल्य का शोधन किस्तों में किया जायेगा।

(4) खुले बाजार में ऋण-पत्रों के क्रय द्वारा शोधन-

जब कम्पनी यह देखती है कि उसके ऋण-पत्रों का स्कन्ध विनिमय (Stock Exchange) में मूल्य अंकित मूल्य से कम होता है तो वह इन्हें खुले बाजार में स्वयं क्रय कर लेती है और इस प्रकार ऋण-पत्रों का शोधन हो जाता है। प्रायः कम्पनी बाद में ऐसे ऋण-पत्रों को रद्द (निरस्त) कर देती है।

अन्तर का आधार	अंश	ऋणपत्र
प्रकृति	अंश स्वामित्व कोष का हिस्सा होते हैं।	ऋणपत्र उधार कोष का हिस्सा होते हैं।
स्थिति	ये कम्पनी के स्वामी होते हैं।	ये कम्पनी के लेनदार होते हैं।
नियंत्रण	इनके हाथ में कम्पनी का नियंत्रण होता है।	इनका कम्पनी के कार्यों पर कोई नियंत्रण नहीं होता है।
मताधिकार	इनके पास मताधिकार होता है।	इनको मत देने का कोई अधिकार नहीं होता है।
प्रतिफल	इन्हें नियमित प्रतिफल का अधिकार नहीं होता।	इन्हें नियमित ब्याज प्राप्त करने का अधिकार होता है।

ऋणपत्रों के शोधन के चार पद्धतियाँ लोकप्रिय हैं-

1. एक मुश्त राशि में भुगतान करना- जब कम्पनी अपनी इच्छा से ऋणपत्रों का शोधन ऋणपत्रधारियों को निर्धारित तिथि को अथवा इसके पूर्व इकट्ठी राशि के भुगतान द्वारा कर देती है तो इसे एक मुश्त राशि में भुगतान शोधन कहा जाता है।

2. किस्तों में भुगतान करना- यदि ऋणपत्रों के निर्गमन में यह शर्त हो कि उनका शोधन किसी वर्ष विशेष से किस्तों में किया जायेगा तो वास्तव में जिन ऋणपत्रों का शोधन किया जाता है, वे

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

लॉटरी के द्वारा चुने जायेंगे। शेधन उसी के अनुसार या तो पूँजी से किया जा सकता है या लाभों में से।

3. खुले बाजार में ऋणपत्रों का क्रय करना- जब कोई कम्पनी अपने स्वयं के ऋणपत्र खुले बाजार में खरीदकर उन्हें तत्काल कर देती है तो इसे ऋ-पत्रों का निरस्तीकरण या खुले बाजार में ऋणपत्र खरीदकर शोधन करना कहते हैं।

4. परिवर्तन द्वारा ऋणपत्रों का शोधन- कम्पनी अपने ऋणपत्रों का शोधन करने के लिए ऋणपत्रधारियों को जब यह विकल्प देती है कि वे चाहे तो अपने ऋणपत्रों को अंशों में या नये ऋणपत्रों में परिवर्तित करा लें। ऋणपत्रधारी लाभप्रद मानकर ऐसे विकल्प की स्वीकृती दे देते हैं तो इसे परिवर्तन द्वारा ऋण पत्रों का शोधन कहते हैं।

शोधनीय ऋणपत्र

वे ऋणपत्र जिनका शोधन कम्पनी द्वारा निश्चित अवधि के बाद ऋणपत्रधारियों की मांग पर या उन्हें सूचना देकर किया जाता है, शोधनीय ऋणपत्र कहलाते हैं। कम्पनी अपने जीवनकाल में इन ऋणपत्रों का भुगतान कर देती है। साधारणतया कम्पनी शोधनीय ऋणपत्रों का निर्गमन करती है।

ऋणपत्रों के शोधन की विधियाँ

(1) लॉटरी विधि :- इस विधि के अन्तर्गत ऋणपत्रों का शोधन प्रत्येक वर्ष ऋणपत्रों के सम्पूर्ण जीवन काल तक किया जाता है। यह प्रक्रिया इस तरह व्यवस्थित की जाती है। कि ऋणपत्रों के जीवनकाल के समाप्त होने पर सम्पूर्ण ऋणपत्रों का शोधन हो जाए। इसके लिए विभिन्न ऋणपत्रों की संख्या के समूह की पर्चीयाँ डाल दी जाती हैं। लॉटरी के आधार पर पर्ची निकालकर ऋणपत्र का शोधन उस वर्ष कर दिया जाता है।

(2) एकमुश्त राशि का भुगतान :- कम्पनी द्वारा ऋणपत्रों की समस्त राशि को एक साथ या किश्तों में निश्चित अवधि के उपरांत भुगतान कर दिया जाता है। यह तिथि या अवधि ऋणपत्रों की परिपक्वता तिथि हो सकती है या कम्पनी द्वारा घोषित ऐसी तिथि जो ऋणपत्रों के शोधन की शर्तों के अनुसार हो।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(3) खुले बाजार से ऋणपत्रों का क्रय :- जब कम्पनी को ऐसा प्रतीत होता है कि खुले बाजार से ऋणपत्रों को खरीदना लाभदायक है तथा स्वयं के ऋणपत्रों को खरीदना आसान है तब कम्पनी ऋणपत्रों का खुले बाजार से क्रय करना प्रारम्भ कर देती है।

(4) अंशो में परिवर्तन :- कम्पनी परिवर्तनशील ऋणपत्रों का निर्गमन करती है जिसमें ऋणपत्रधारियों को यह अवसर प्राप्त होता है कि वह अपने ऋणपत्रों को समता या पूर्वाधिकार अंशो में परिवर्तित करा सकते हैं। चुनाव का अवसर प्राप्त होने पर ऋणपत्रधारी अपने ऋणपत्रों को अंशो में बदलवा सकते हैं।

ऋण पत्र शोधन प्रीमियम खाता

ऋणपत्रों का शोधन सम-मूल्य पर या प्रीमियम पर किया जायेगा, इसका निर्धारण प्राय: ऋणपत्रों के निर्गमन के समय कर दिया जाता है। 3. शोधन पर देय राशि की व्यवस्था- ऋणपत्रों के शोधन पर देय राशि की व्यवस्था किस स्रोत से की जायेगी, इसका निर्धारण पूर्व में कर लिया जाना चाहिए।

1. ऋणपत्रों का नकद सममूल्य पर निर्गमन :

निम्नलिखित रोजनामचा प्रविष्टियाँ की जाएंगी :

आवेदन राशि प्राप्त

बैंक खाता नाम
  ऋणपत्र आवेदन खाता से
(ऋणपत्रों पर आवेदन राशि प्राप्त हुई)

ऋणपत्रों के आबंटन पर आवेदन राशि का ऋणपत्र खाते में हस्तान्तरण

ऋणपत्र आवेदन खाता नाम
  ऋणपत्र खाता से
(आवेदन राशि का ऋणपत्र खाते में हस्तान्तरण किया गया)

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

आबंटन पर राशि देय

ऋणपत्र आबंटन खाता नाम

ऋणपत्र खाता से

(आबंटन राशि देय हुई)

आबंटन पर देय राशि की प्राप्ति

बैंक खाता नाम

ऋणपत्र आबंटन खाता से

(ऋणपत्र आबंटन राशि प्राप्त हुई)

प्रथम एवं अन्तिम याचना राशि मांगी गई :

ऋणपत्र प्रथम एवं अन्तिम याचना खाता नाम

ऋणपत्र खाता से

(................ ऋणपत्रों पर प्रथम एवं अन्तिम याचना राशि देय हुई)

प्रथम एवं अन्तिम याचना राशि प्राप्त हुई :

बैंक खाता नाम

ऋणपत्र प्रथम एवं अन्तिम याचना खाता से

(देय याचना राशि प्राप्त हुई)

Example:

शाइनिंग इन्डिया लि. ने 5,000 8% ऋणपत्र ₹ 100 प्रति निर्गमित किये जिन पर भुगतान इस प्रकार किया जाना था।

₹ 20 आवेदन पर

₹ 30 आबंटन पर

₹ 50 प्रथम एवं अन्तिम याचना पर

सभी ऋणपत्रों के लिए आवेदन प्राप्त हुए तथा उनका आबंटन किया गया। सभी याचनाएं समय पर प्राप्त हुई। कंपनी की लेखा पुस्तकों में रोजनामचा प्रविष्टियाँ कीजिए।

Solution:

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

शाइनिंग इन्डिया लि.

तिथि	विवरण	खा.पृ. सं.	नाम राशि (₹)	जमा राशि (₹)
1.	बैंक खाता नाम ऋणपत्र आवेदन खाता से (5,000 ऋणपत्रों के लिए आवेदन राशि प्राप्त हुई)		1,00,000	1,00,000
2.	ऋणपत्र आवेदन खाता नाम 8% ऋणपत्र खाता से (आवेदन राशि का आबंटन पर ऋण पत्रों में हस्तान्तरण)		1,00,000	1,00,000
3.	ऋणपत्र आबंटन खाता नाम 8% ऋणपत्र खाता से (5,000 ऋणपत्रों पर ₹ 30 प्रति ऋण पत्र आबंटन राशि देय)		1,50,000	1,50,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

4.	बैंक खाता नाम ऋणपत्र आबंटन खाता से (आबंटन राशि प्राप्त हुई)		1,50,000	1,50,000
5.	ऋणपत्र प्रथम एवं अन्तिम याचना खाता नाम 8% ऋणपत्र खाता से (ऋणपत्र प्रथम एवं अन्तिम याचना राशि ₹ 50 प्रति ऋणपत्र की दर से देय)		2,50,000	2,50,000
6.	बैंक खाता नाम ऋणपत्र प्रथम एवं अन्तिम याचना खाता से (ऋणपत्र प्रथम एवं अन्तिम याचना राशि प्राप्त हुई)		2,50,000	2,50,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

आंशिक आबंटन पर

अतिरिक्त राशि का आबंटन पर देय राशि में समायोजन कर लिया जाता है ताकि शेष राशि वापस कर दी जाती है। उपरोक्त स्थिति में रोजनामचा प्रविष्टि इस प्रकार होगी :

आवेदनों के रद्द कर दिये जाने पर राशि की वापसी के लिए :

ऋणपत्र आवेदन खाता नाम
बैंक खाता से
(रद्द किये गये आवेदनों की राशि की वापसी)

अतिरिक्त आवेदन राशि का आबंटन देय राशि में समायोजन करने पर

ऋणपत्र आवेदन खाता नाम
ऋणपत्र आबंटन खाता से
(अतिरिक्त आवेदन राशि का समायोजन)

Example:

ए. बी. सी. लि. ने 5,000 10% ऋणपत्र 100 रु. प्रति से जारी किये जिन पर भुगतान इस प्रकार करना था : ₹ 40 आवेदन पर एवं ₹ 60 आबंटन पर। 6,000 ऋणपत्रों के लिए आवेदन प्राप्त हुए। 500 ऋणपत्रों के आवेदकों को क्षमा पत्र भेज दिए गये तथा उनकी राशि लौटा दी गई शेष आवेदकों को अनुपातन आबंटन कर दिया गया। अधि-अभिदान की राशि को आबंटन पर देय राशि में समायोजत कर दिया गया। सभी राशि समय पर प्राप्त हुई।

उपरोक्त लेनदेनों के लिए कंपनी की लेखा पुस्तकों में रोजनामचा प्रविष्टियाँ कीजिए।

Solution:

रोजनामचा

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

तिथि	विवरण		खा. पृ. सं.	नाम राशि (₹)	जमा राशि (₹)
1.	बैंक खाता	नाम		2,40,000	
	ऋणपत्र आवेदन खाता से				2,40,000
	(6,000 ऋणपत्रों के लिए ₹ 40 प्रति ऋणपत्र की दर से आवेदन राशि प्राप्त की गई)				
2.	ऋणपत्र आवेदन खाता	नाम		2,40,000	
	10% ऋणपत्र खाता से				2,00,000
	बैंक खाता से				20,000
	ऋणपत्र आबंटन खाता से				20,000
	(5,000 ऋणपत्रों की ऋणपत्र आवेदन राशि का उनके आबंटन पर ऋणपत्र खाते में हस्तान्तरण 500 ऋणपत्रों की राशि को वापस किया तथा शेष 500 की राशि आबंटन में समायोजत की गई)				
3.	ऋण आबंटन खाता	नाम		3,00,000	
	10% ऋणपत्र खाता से				3,00,000
	(5,000 ऋणपत्रों पर ₹ 60 प्रति ऋणपत्र आबंटन राशि देय)				
4.	बैंक खाता	नाम		2,80,000	
	ऋणपत्र आबंटन खाता से				2,80,000
	(आबंटन राशि प्राप्त हुई)				

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

ऋणपत्रों का प्रीमियम पर निर्गमन करने का अभिप्राय सममूल्य से अधिक मूल्यपर जारी करना है। उदाहरण के लिए ₹ 100 का ऋणपत्र का ₹ 110 में निर्गमन करना। यह अधिक राशि ₹ 10 है जो कि प्रीमियम की राशि है। ऋणपत्रों के निर्गमन पर प्रीमियम की राशि प्रतिभूति प्रीमियम खाता के जमा में लिखी जाती है।

कंपनी अधिनियम 1956 की धारा 78 के अनुसार :

रोजनामचा प्रविष्टि इस प्रकार से होगी

ऋणपत्र आबंटन खाता नाम
    ऋणपत्र खाता से
    प्रतिभूति प्रीमियम खाता से
(आबंटन पर ₹ .... प्रीमियम सहित देय राशि)

Example:

एक कंपनी ने ₹ 100 के 5,000 10% ऋणपत्र 20% प्रीमियम पर जारी किये जिनका भुगतान इस प्रकार होना था :

₹ 60 आवेदन पर

₹ 60 आबंटन पर (प्रीमियम सहित)

सभी ऋणपत्रों का अभिदान हुआ तथा राशि समय पर प्राप्त हुई ।

रोजनामचा प्रविष्टियां कीजिए।

Solution:

रोजनामचा

तिथि	विवरण	खा.पृ. सं.	नाम राशि (₹)	जमा राशि (₹)
1.	बैंक खाता नाम ऋण पत्र आवेदन खाता से (आवेदन राशि प्राप्त हुई)		3,00,000	 3,00,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

2.	ऋणपत्र आवेदन खाता नाम 10% ऋणपत्र खाता से (आवेदन राशि का ऋणपत्र खाते में हस्तान्तरण)		3,00,000	 3,00,000
3.	ऋणपत्र आबंटन खाता नाम 10% ऋणपत्र खाता से प्रतिभूति प्रीमियम खाता से (प्रीमियम सहित आबंटन राशि देय)		3,00,000	 2,00,000 1,00,000
4.	बैंक खाता नाम ऋणपत्र आबंटन खाता से (आबंटन राशि प्राप्त हुई)		3,00,000	 3,00,000

जब ऋणपत्र उनके सममूल्य से कम पर जारी किये जाते हैं तो इनका बट्टे पर निर्गमन करना कहा जाता है। उदाहरण के लिये ₹ 100 का ऋणपत्र ₹ 90 पर निर्गमन किया गया कंपनी अधिनियम 1956 में ऋणपत्रों के बट्टे पर निर्गमन के लिये कोई शर्त नहीं रखी है जैसा कि अंशों के बट्टे पर जारी करने के लिये होती हैं। लेकिन ऋणपत्रों के इस प्रकार के निर्गमन हेतु कंपनी के अन्तर्नियमों में प्रावधान होना चाहिए।

ऋणपत्रों के बट्टे पर निर्गमन की रोजनामचा प्रविष्टि (जबकि बट्टा आबंटन के समय दिया गया हो)

ऋणपत्र आबंटन खाता नाम
ऋणपत्रों के निर्गमन पर बट्टा खाता नाम
ऋणपत्र खाता से
(आबंटन देय हुआ बट्टे की राशि ₹ ....
प्रति ऋणपत्र है)

Example:

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

एक कंपनी ने 2,000, 9% ऋणपत्र ₹ 100 प्रति ऋणपत्र 10% बट्टे पर जारी किये जिन पर भुगतान इस प्रकार होना था :

₹ 40 आवेदन पर

₹ 50 आबंटन पर

रोजनामचा प्रविष्टियां कीजिए।

रोजनामचा प्रविष्टियां

तिथि	विवरण		खा.पृ. सं.	नाम राशि (₹)	जमा राशि (₹)
1.	बैंक खाता	नाम		80,000	
	ऋणपत्र आवेदन खाता				80,000
	(आवेदन राशि प्राप्त हुई)				
2.	ऋणपत्र आवेदन खाता	नाम		80,000	
	9% ऋणपत्र खाता से				80,000
	(आवेदन राशि का ऋणपत्र खाते में हस्तान्तरण किया गया)				
3.	ऋणपत्र आबंटन खाता	नाम		1,00,000	
	ऋणपत्र बट्टा खाता	नाम		20,000	
	9% ऋणपत्र खाता से				1,20,000
	(₹ 10 प्रति ऋणपत्र बट्टे पर आबंटन पर राशि देय)				
4.	बैंक खाता	नाम		1,00,000	
	ऋणपत्र आबंटन खाता				1,00,000
	(आबंटन राशि प्राप्त हुई)				

SHIVOM CLASSES 8696608541

NCERT SOLUTIONS

प्रश्न (पृष्ठ संख्या 142 - 146)

लघु उत्तरीय प्रश्न:

प्रश्न 1 एक ऋणपत्र से क्या तात्पर्य है?

उत्तर – ऋणपत्र (Debenture) शब्द एक लैटिन शब्द 'डिबेयर' से लिया गया है जिसका अर्थ है उधार लेना।ऋणपत्र एक लिखित विपत्र है जो कम्पनी की आम मुहर के तहत एक ऋण का अभिज्ञान कराता हैं।इसमें एक निश्चित अवधि के बाद या कम्पनी के विकल्प पर या एक निश्चित दर पर देय ब्याज की अदायगी के लिए मूलधन के पुनर्भुगतान का अनुबन्ध होता है, जो आमतौर पर या तो छमाही या वार्षिक तारीखों पर होता है।कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 2(30) के अनुसार, 'ऋणपत्र' में ऋणपत्र स्टॉक, बॉण्ड और किसी कम्पनी की अन्य प्रतिभूतियों को शामिल किया जाता है, चाहे कम्पनी की सम्पत्ति पर कोई शुल्क लगाया जाए या नहीं।

प्रश्न 2 एक वाहक ऋणपत्र से आप क्या समझते हैं?

उत्तर – जो ऋणपत्र कम्पनी की पुस्तकों में नहीं लिखे जाते हैं और जिनका हस्तान्तरण केवल सुपुर्दगी से होता है, वाहक ऋणपत्र (Bearer Debentures) कहे जाते हैं।इनका ब्याज तथा इनकी मूल राशि का भुगतान इनके वाहकों को किया जाता है।इस प्रकार के ऋणपत्रों में संलग्न ब्याज कूपन को प्रस्तुत करने वाले को ब्याज का भुगतान दिया जाता है।

प्रश्न 3 'एक सम्पार्श्विक प्रतिभूति के रूप में निर्गमित' ऋणपत्र का अर्थ बताएँ।

उत्तर – जब एक कम्पनी बैंक अथवा वित्तीय संस्था से ऋण या अधिविकर्ष प्राप्त करती है तो ऐसी स्थिति में सम्पार्श्विक प्रतिभूति को प्राथमिक प्रतिभूति की तुलना में सहायक अथवा अतिरिक्त प्रतिभूति के रूप में परिभाषित किया जाता है।इसके लिए कम्पनी अपनी कुछ परिसम्पत्तियों को उपयुक्त ऋण प्राप्ति हेतु रक्षित ऋण के रूप में बंधक अथवा गिरवी रख सकती है।

किन्तु ऋणदाता संस्थाएँ सम्पार्श्विक प्रतिभूति के रूप में अधिक परिसम्पत्तियों के लिए आग्रह कर सकती हैं ताकि ऋण की राशि की पूर्णतः वसूली हो सके।यदि प्राथमिक प्रतिभूति के विक्रय से ऋण

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

की राशि का पूर्ण भुगतान सम्भव नहीं है तो ऐसी स्थिति में कम्पनी स्वयं के ऋणपत्रों का निर्गमन पहले से बंधक परिसम्पत्तियों सहित ऋणदाता को करती है।ऐसे निर्गमन को सम्पार्श्विक प्रतिभूति के रूप में ऋणपत्रों का निर्गमन कहते हैं।

प्रश्न 4 'रोकड़ के अलावा प्रतिफल हेतु ऋणपत्र का निर्गम' से क्या तात्पर्य है?

उत्तर – यदि कोई कम्पनी अपने आपूर्तिकर्ताओं या विक्रेताओं से सम्पत्ति खरीदती है और उन्हें नकद में भुगतान करने के बजाय कम्पनी उन्हें डिबेंचर जारी करती है तो इस प्रकार के ऋणपत्र निर्गमन को रोकड़ के अतिरिक्त अन्य प्रतिफल पर निर्गमित ऋणपत्र कहते हैं।नकद के अलावा अन्य प्रतिफल के लिए डिबेंचर का निर्गमन विक्रेता के साथ-साथ क्रेता (कम्पनी), दोनों के उद्देश्य को पूरा करता है।

क्रेता के दृष्टिकोण से, ऋणपत्र के निर्गमन पर एक सम्पत्ति खरीदने के लिए ऋण जुटाने या तुरन्त धन की व्यवस्था करने के लिए कोई अतिरिक्त लागत की आवश्यकता नहीं होती है।दूसरी ओर, विक्रेता को प्राप्त ऋणपत्र की राशि पर ब्याज मिलता है।इस हेतु ऋणपत्र विक्रेता को सममूल्य, प्रीमियम या बट्टे पर जारी किये जा सकते हैं।

प्रश्न 5 'बट्टे पर ऋणपत्र का निर्गम तथा प्रीमियम पर मोचनीय' से क्या तात्पर्य है?

उत्तर – जब ऋणपत्र अपने सममूल्य (या अंकित मूल्य) से कम पर जारी किए जाते हैं, लेकिन इनका शोधन अपने सममूल्य से अधिक कीमत पर किया जाता है तो इसे बट्टे पर ऋणपत्र का निर्गम और प्रीमियम पर मोचनीय कहा जाता है।निर्गम मूल्य और मोचन मूल्य के बीच का अन्तर ऋणपत्र जारी करने पर नुकसान के रूप में माना जाता है।

प्रश्न 6 पूँजी आरक्षित क्या है?

उत्तर – पूँजी आरक्षित (Capital Reserve) एक रिजर्व है जो पूँजीगत लाभ से बनाया जाता है।इस रिजर्व का उपयोग भविष्य के पूँजीगत नुकसान, यदि कोई हो, को पूरा करने और बोनस शेयर जारी करने के लिए किया जाता है।इसे शेयरधारकों के बीच लाभांश के रूप में वितरित नहीं किया जा सकता है।

पूँजी आरक्षित (Capital Reserve) निम्नलिखित गतिविधियों से उत्पन्न होता है:

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

- शेयर जारी करने पर प्रीमियम।
- डिबेंचर जारी करने पर प्रीमियम।
- डिबेंचर के मोचन पर लाभ।
- अचल सम्पत्तियों की बिक्री पर लाभ।
- जब्त शेयरों के पुनर्निर्गमन पर लाभ।
- निर्गमन से पहले लाभ, आदि।

प्रश्न 7 'अमोचनीय ऋणपत्र' से क्या तात्पर्य है?

उत्तर – अमोचनीय ऋणपत्र (Irredeemable Debentures) अमोचनीय ऋणपत्रों को 'स्थायी' ऋणपत्र के नाम से भी जाना जाता है क्योंकि कम्पनी इस प्रकार के ऋणपत्रों के निर्गम द्वारा उधार प्राप्त द्रव्य के परिशोधन के लिए भी वचन नहीं देती है।ये ऋणपत्र कम्पनी की समाप्ति पर या एकं दीर्घकालिक अवधि की समाप्ति पर शोधनीय होते हैं।

प्रश्न 8 'परिवर्तनीय ऋणपत्र' क्या है?

उत्तर – परिवर्तनीय ऋणपत्र (Convertible Debentures): ये वे ऋणपत्र हैं जिन्हें एक निर्दिष्ट अवधि के बाद इक्विटी शेयरों में या फिर किसी भी अन्य प्रतिभूति में या तो कम्पनी के विकल्प पर या ऋणपत्र धारक के विकल्प पर परिवर्तित किया जा सकता है।ये निम्नलिखित दो प्रकार के होते है पूर्ण रूप से परिवर्तनीय ऋणपत्र-जब एक ऋणपत्र की पूरी राशि परिवर्तनीय होती है तो इन ऋणपत्र को पूर्णतः परिवर्तनीय ऋणपत्र कहा जाता है।आंशिक रूप से परिवर्तनीय ऋणपत्र-जब किसी ऋणपत्र की राशि का केवल एक हिस्सा ही परिवर्तनीय होता है तो इन ऋणपत्र को आंशिक रूप से परिवर्तनीय ऋणपत्र कहा जाता है।

प्रश्न 9 'बंधक ऋणपत्र' से क्या तात्पर्य है?

उत्तर – बंधक अथवा रक्षित ऋणपत्र (Secured or Mortaged Debentures):

बंधक अथवा रक्षित ऋणपत्रों का आशय उन ऋणपत्रों से है जहाँ भुगतान की अदायगी न कर पाने की स्थिति के उद्देश्य से कम्पनी की परिसम्पत्तियों पर एक प्रभार स्थापित किया जाता है।यह प्रभार स्थिर या चल हो सकता है।एक स्थिर प्रभार एक विशिष्ट परिसम्पत्ति पर स्थापित किया जाता है

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

जबकि चल प्रभार कम्पनी की सामान्य परिसम्पत्तियों पर स्थापित किया जाता है।स्थिर प्रभार उन परिसम्पत्तियों के प्रति स्थापित किया जाता है जो कि कम्पनी के द्वारा प्रचालन के लिए धारित होते हैं न कि बिक्री के आशय के लिए जबकि चल प्रभारों के अन्तर्गत वे सभी परिसम्पत्तियाँ शामिल होती हैं जो सुरक्षित लेनदारों हेतु निर्दिष्ट होने से बहिष्कृत हैं।

प्रश्न 10 'ऋणपत्र के निर्गम पर बट्टा' क्या होता है?

उत्तर – जब ऋणपत्र अपने सममूल्य या अंकित मूल्य से कम कीमत पर जारी किए जाते हैं, तो यह बट्टे पर ऋणपत्रों का निर्गम कहा जाता है।निर्गमन मूल्य और ऋणपत्र के अंकित मूल्य के बीच के अन्तर को बट्टा कहा जाता है।जिसे पूँजीगत हानि के रूप में माना जाता है।

प्रश्न 11 'ऋणपत्र के मोचन पर प्रीमियम' का क्या अर्थ है?

उत्तर – जब ऋणपत्रों का उसके अंकित मूल्य या बराबर से अधिक कीमत पर शोधन किया जाता है तो यह कहा जाता है कि डिबेंचर का प्रीमियम पर शोधन किया गया है।शोधन मूल्य की सममूल्य पर अधिकता की राशि प्रीमियम कहलाती है।इसे पूँजीगत हानि के रूप में माना जाता है।

प्रश्न 12 'ऋणपत्र' अंश से भिन्न क्यों होते हैं? दो अन्तर बताइए।

उत्तर –

अन्तर का आधार	अंश	ऋणपत्र
1. पूँजी अथवा ऋण 2. लाभांश अथवा ब्याज	एक अंश (Share) कम्पनी की पूँजी का हिस्सा होता है।अतः अंशधारी कम्पनी के स्वामी (Owners) होते हैं। इन्हें लाभों में से लाभांश (Dividend) दिया जाता है।	एक ऋणपत्र ऋण का हिस्सा होता है।अतः ऋणपत्रधारी कम्पनी के लेनदार (Creditors) होते हैं। इन पर ब्याज (Interest) दिया जाता है।

प्रश्न 13 'ऋणपत्र का मोचन' से क्या तात्पर्य है?

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

SHIVOM CLASSES 8696608541

उत्तर – ऋणपत्र के मोचन का अर्थ है कम्पनी द्वारा ऋणपत्र धारकों को ऋणपत्र की राशि का पुनर्भुगतान। दूसरे शब्दों में, इसका तात्पर्य ऋणपत्र जारी करने के समय निर्धारित नियमों और शर्तों के अनुसार ऋणपत्र धारकों को देय राशि का भुगतान करके देनदारियों को समाप्त करने से है। ऋणपत्र सममूल्य एवं प्रीमियम पर प्रतिदेय हो सकते हैं।

मोचन मुनाफे से या डिबेंचर या शेयरों के नए निर्गमन से किया जा सकता है। डिबेंचर का मोचन निम्नलिखित तरीकों से किया जा सकता है:

1. परिपक्वता के समय एकमुश्त राशि से।
2. किश्तों में भुगतान द्वारा।
3. खुले बाजार में खरीद करके।
4. डिबेंचर को शेयरों या नए डिबेंचर में परिवर्तित करके।

प्रश्न 14 'परिवर्तनीयता के आधार पर ऋणपत्र का मोचन' से क्या तात्पर्य है?

उत्तर – परिवर्तनीयता के आधार पर ऋणपत्र का मोचन (Redemption of Debentures on the basis of Convertibility): ऋणपत्रों का मोचन इन्हें अंश या नए ऋणपत्र में परिवर्तन द्वारा भी किया जा सकता है। कम्पनी ऐसा प्रस्ताव देती है और यदि ऋणपत्रधारकों को यह प्रस्ताव लाभदायक लगता है तो वे इस प्रस्ताव को मान लेंगे। नए अंश या ऋणपत्रों को सममूल्य पर बट्टे पर या प्रीमियम पर निर्गमित किया जा सकता है।

प्रश्न 15 'ऋणपत्र के मोचन पर प्रीमियम' से आप कैसे निपटान (deal) करेंगे?

उत्तर – ऋणपत्रों का उनके अंकित मूल्य अथवा सममूल्य से अधिक राशि पर मोचन/शोधन करना ऋणपत्रों का प्रीमियम पर मोचन/शोधन कहलाता है। प्रीमियम पर मोचन वाले ऋणपत्रों का निर्गमन करने पर देय प्रीमियम की राशि से 'ऋणपत्र के मोचन पर प्रीमियम' (Premium on Redemption of Debentures) नाम से एक प्रावधान बनाया जाता है। मोचन पर प्रीमियम कम्पनी की भविष्य में देय देनदारी होती है। चूंकि यह एक प्रावधान है अतः इसे तुलन-पत्र में शीर्षक 'गैर-चालू दायित्व' में उप-शीर्षक 'दीर्घकालीन ऋण' के अन्तर्गत तब तक दर्शाया जाता है जब तक कि ऋणपत्रों का मोचन नहीं हो जाता है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

प्रश्न 16 'खुले बाजार से क्रय' द्वारा ऋणपत्र के मोचन से क्या तात्पर्य है?

उत्तर – खुले बाजार से क्रय द्वारा मोचन (Redemption by Purchase in Open Market): जब एक कम्पनी अपने ही ऋणपत्रों को तत्काल निरस्तीकरण (रद्दीकरण) हेतु खुले बाजार में ऋणपत्रों की खरीद करती है, तब ऐसे ऋणपत्रों की खरीद एवं निरसन को खुले बाजार में खरीद द्वारा मोचन कहते हैं।ऐसे विकल्प से यह लाभ है कि कम्पनी अपनी सुविधानुसार ऋणपत्रों को मोचित कर सकती है, जब भी कम्पनी के पास अतिरिक्त नकदी उपलब्ध हो।दूसरे, कम्पनी उन्हें तब भी खरीद सकती है जब बाजार में वे बट्टे के साथ उपलब्ध हों।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न:

प्रश्न 1 एक ऋणपत्र से क्या तात्पर्य है? विभिन्न प्रकार के ऋणपत्रों की व्याख्या कीजिए।

उत्तर – ऋणपत्र से आशय (Meaning of Debentures): 'ऋणपत्र' (डिबेंचर) शब्द लैटिन भाषा के 'डिबेयर' शब्द से लिया गया है जिसका तात्पर्य कर्ज लेना है।अन्य शब्दों में, ऋणपत्र एक लिखित विपत्र है जो कम्पनी की सामान्य मोहर के अन्तर्गत एक ऋण का अभिज्ञान कराता है।इसमें एक विशिष्टकृत अवधि के बाद या एक मध्यावधि पर या कम्पनी के एक विकल्प पर परिशोधन और एक स्थिर दर पर ब्याज चुकौती के लिए जो कि सामान्यतः अर्द्धवार्षिक या वार्षिक तिथि पर देय होता है, एक अनुबन्ध समाहित रहता है।

कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 2(30) के अनुसार 'ऋणपत्र' (डिबेंचर) के अन्तर्गत ऋणपत्र स्टॉक, बॉण्ड (बंध-पत्र) तथा एक कम्पनी की अन्य प्रतिभूतियाँ शामिल होती हैं जो कि कम्पनी की परिसम्पत्तियों पर एक प्रभार संघटित कर सकती हैं अथवा नहीं।

ऋणपत्रों के प्रकार (Types of Debentures):

ऋणपत्रों के विभिन्न प्रकारों का वर्णन निम्न प्रकार है

(1) सुरक्षा के आधार पर (On the Basis of Security):

- रक्षित ऋणपत्र (Secured Debentures) वे ऋणपत्र जो कम्पनी की सम्पत्तियों पर स्थाई या चल प्रभार से सुरक्षित होते हैं, सुरक्षित ऋणपत्र कहलाते हैं।कम्पनी द्वारा इन ऋणपत्रों

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

का भुगतान न कर पाने की दशा में वे इन सम्पत्तियों को बेचकर अपने ऋण का भुगतान प्राप्त कर सकते हैं।

- असुरक्षित ऋणपत्र (Unsecured Debentures): वे ऋणपत्र जो कम्पनी की सम्पत्तियों पर प्रभार द्वारा सुरक्षित नहीं होते हैं, असुरक्षित या नग्न ऋणपत्र कहलाते हैं।

(2) अवधि के आधार पर (On the Basis of Tenure):

- मोचनीय ऋणपत्र (Redeemable Debentures): वे ऋणपत्र जिनका भुगतान कम्पनी द्वारा एक निश्चित अवधि के पश्चात् कर दिया जाता है, मोचनीय ऋणपत्र कहलाते हैं।
- अमोचनीय ऋणपत्र (Irredeemable Debentures): वे ऋणपत्र जिनका भुगतान कम्पनी के जीवनकाल में नहीं होता है वरन् कम्पनी के समापन पर ही किया जाता है, अमोचनीय ऋणपत्र कहलाते हैं।

(3) परिवर्तनीयता के आधार पर (On the Basis of Convertibility):

(i) परिवर्तनीय ऋणपत्र (Convertible Debentures): वे ऋणपत्र जिन्हें एक निश्चित समय के पश्चात् अंशों या अन्य प्रतिभूति में परिवर्तन कराया जा सकता है, परिवर्तनीय ऋणपत्र कहलाते हैं।यदि ऋणपत्रों की राशि के एक भाग का ही समता अंशों में परिवर्तन कराया जा सके, तो वह आंशिक परिवर्तनशील ऋणपत्र (PCD or Partly Convertible Debentures) कहलाते हैं और यदि सम्पूर्ण ऋणपत्र राशि का परिवर्तन समता अंशों में कराया जा सके तो वह पूर्ण परिवर्तनशील ऋणपत्र (FCD or Fully Convertible Debentures) कहलाते हैं।

(ii) अपरिवर्तनीय ऋणपत्र Non - Convertible Debentures): वे ऋणपत्र जिनका परिवर्तन अंश या अन्य प्रतिभूति में नहीं किया जा सकता हो, अपरिवर्तनीय ऋणपत्र कहलाते हैं।

(4) कूपन दर के आधार पर (On the Basis of Coupon Rate):

(i) विशिष्ट कूपन दर ऋणपत्र (Specific Coupon Rate Debentures): वे ऋणपत्र जिनका निर्गमन करते समय ही ब्याज दर निश्चित कर दी जाती है, इस ब्याज दर को कूपन दर भी कहते हैं जैसे - 14% Debenture या 12% Debenture में 14% या 12% ब्याज की दर है।

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

SHIVOM CLASSES 8696608541

(ii) शून्य कूपन दर ऋणपत्र (Zero Coupon Rate Debentures): ऐसे ऋणपत्रों को बिना किसी ब्याज की दर के साथ निर्गमित किया जाता है।विनियोक्ताओं की क्षति की पूर्ति हेतु इन ऋणपत्रों को बट्टे पर निर्गमित किया जाता है।ऋणपत्र के अंकित मूल्य व निर्गमन मूल्य का अन्तर ऋणपत्रों की अवधि का कुल ब्याज माना जाता है।

(5) पंजीयन के आधार पर (On the Basis of Registration):

(i) पंजीकृत ऋणपत्र (Registered Debentures): वे ऋणपत्र जिनके धारकों का नाम कम्पनी की पुस्तकों में दर्ज रहता है ।कम्पनी द्वारा ब्याज एवं मूलधन का भुगतान इस रजिस्टर्ड धारक को ही किया जाता है।इन ऋणपत्रों का हस्तान्तरण, हस्तान्तरण प्रलेख के माध्यम से होता है।

(ii) वाहक ऋणपत्र (Bearer Debentures): वे ऋणपत्र जिनके धारकों का नाम कम्पनी की पुस्तकों में दर्ज नहीं होता है।इन ऋणपत्रों का हस्तान्तरण सुपुर्दगी द्वारा ही किया जा सकता है।ब्याज की तिथि को जो धारक ऋणपत्रों के साथ संलग्न ब्याज का कूपन प्रस्तुत करता है, उसे ब्याज का भुगतान कर दिया जाता है।

(6) पुनर्भुगतान प्राथमिकता के आधार पर (On the Basis of Repayment Priority):

- प्रथम ऋणपत्र (First Debentures): वे ऋणपत्र जिनका पुनर्भुगतान अन्य ऋणपत्रों से पहले किया जाता है, प्रथम ऋणपत्र कहलाते हैं।
- द्वितीय ऋणपत्र (Second Debentures): वे ऋणपत्र जिनका शोधन अर्थात् पुनर्भुगतान प्रथम ऋणपत्रों के बाद किया जाता है, द्वितीय ऋणपत्र कहलाते हैं।

प्रश्न 2 ऋणपत्र एवं अंश के बीच अन्तर स्पष्ट कीजिए।ऋणपत्र को एक कर्ज के रूप में क्यों जाना जाता है? व्याख्या कीजिए।

उत्तर – अंश अंशों: द्वारा सीमित दायित्व वाली सार्वजनिक कम्पनी की कुल पूँजी छोटी-छोटी इकाइयों में विभाजित रहती है, उसे अंश कहते हैं।

ऋणपत्र : ऋणपत्र से आशय एक कम्पनी द्वारा लिये गये ऋण के बदले दी गयी अभिस्वीकृति से है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

अंश और ऋणपत्र में अन्तर

अन्तर का आधार	अंश	ऋणपत्र
(1) स्वामित्व	अंशों के धारक कम्पनी के स्वामी होते हैं।	ऋणपत्रों के धारक ऋणदाता कहलाते हैं।
(2.) हिस्सा	अंश कम्पनी की पूँजी का हिस्सा है।	ऋणपत्र ऋण की स्वीकृति है।
(3) अवधि	अंश निर्गमन द्वारा दीर्घकालीन स्थायी पूजी प्राप्त की जाती है।	ऋणपत्रों के द्वार दीर्घकालीन एवं मध्यकालीन अस्थायी पूँजी प्राप्त की जाती है।
(4) लाभांश या ब्याज	लाभ की स्थिति में ही अंशों पर लाभांश दिया जाता है।	कम्पनी को लाभ हो या न हो, ऋणपत्रों पर ब्याज हमेशा दिया जाता है।
(5) पुनर्भुगतान	कम्पनी के जीवनकाल में सामान्यतः अंशों का भुगतान नहीं किया जाता है।	एक निश्चित अवधि के पश्चात् ऋणपत्रों का शोधन/पुनर्भुगतान कर दिया जाता है।
(6) बट्टे पर निर्गमन	अंशों का बट्टे पर निर्गमन नहीं किया जा सकता है।	ऋणपत्रों के बट्टे पर निर्गमन पर कोई प्रतिबन्ध नहीं है।
(7) सुरक्षा	अंश सुरक्षित नहीं होते हैं।	ऋणपत्र कम्पनी की सम्पत्तियों पर प्रभार द्वारा सुरक्षित हो भी सकते हैं और नहीं भी।
(8) परिवर्तनीयता	अंश सामान्यतः अन्य प्रकार की प्रतिभूति में परिवर्तित नहीं किये जाते हैं।	ऋणपत्र अंशों में नियमानुसार परिवर्तित किये जा सकते हैं।
(9) मताधिकार	अंशधारी को साधारण सभा में उपस्थित होने एवं मतदान कां अधिकार होता है।	मताधिकार नहीं होता है।
(10) जोखिम	अंशों में विनियोग पर जोरिम अधिक होती है।	ऋणपत्रों में अंशों की अपेक्षा जोखिम कम होती है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

ऋणपत्र को एक कर्ज/ऋण के रूप में जाना जाता है क्योंकि यह एक ऐसा लिखित विपत्र होता है जो कम्पनी की सामान्य मोहर के अन्तर्गत एक ऋण का अभिज्ञान कराता है।

प्रश्न 3 'सम्पार्श्विक प्रतिभूति के रूप में निर्गमित ऋणपत्र' के तात्पर्य का वर्णन कीजिए।खाता पुस्तकों में - ऐसे ऋणपत्र के निर्गम हेतु लेखांकन व्यवहार बताएँ।

उत्तर – सम्पार्श्विक प्रतिभूति के रूप में निर्गमित ऋणपत्र: जब एक कम्पनी बैंक अथवा वित्तीय संस्था से ऋण या अधिविकर्ष प्राप्त करती है तो ऐसी स्थिति में सम्पार्श्विक प्रतिभूति को प्राथमिक प्रतिभूति की तुलना में सहायक अथवा अतिरिक्त प्रतिभूति के रूप में परिभाषित किया जाता है।इसके लिए कम्पनी अपनी कुछ परिसम्पत्तियों को उपयुक्त ऋण प्राप्ति हेतु रक्षित ऋण के रूप में बंधक अथवा गिरवी रख सकती है।

किन्तु ऋणदाता संस्थाएँ सम्पार्श्विक प्रतिभूति के रूप में अधिक परिसम्पत्तियों के लिए आग्रह कर सकती हैं ताकि ऋण की राशि की पूर्णतः वसूली हो सके यदि प्राथमिक प्रतिभूति के विक्रय से ऋण की राशि का पूर्ण भुगतान सम्भव नहीं है तो ऐसी स्थिति में कम्पनी स्वयं के ऋणपत्रों का निर्गमन पहले से बंधक परिसम्पत्तियों सहित ऋणदाता को करती है।ऐसे निर्गमन को सम्पार्श्विक प्रतिभूति के रूप में ऋणपत्रों का निर्गमन कहते हैं।

लेखांकन व्यवहार: सम्पार्श्विक प्रतिभूति के रूप में निर्गमित ऋणपत्रों को कम्पनी के खाता पुस्तकों में दो विधियों से दर्शाया जा सकता है।

(1) प्रथम विधि: इस विधि के अनुसार खाता पुस्तकों में कोई प्रविष्टि नहीं होती क्योंकि इस प्रकार के निर्गम से कोई भी दायित्व उत्पन्न नहीं होता है।तुलन-पत्र में ऋण की मद के नीचे इस प्रभाव के साथ एक टिप्पणी संलग्न करते हैं कि एक सम्पार्श्विक प्रतिभूति के रूप में ऋणपत्रों के निर्गम द्वारा इसे सुरक्षित किया गया है।

उदाहरण के लिए, जेड कम्पनी ने एक बैंक से प्राप्त 10,00,000 हेतु ₹ 100 प्रति ऋणपत्र से 10,000, 9% ऋणपत्रों को जारी किया है।इस तथ्य को तुलन-पत्र में निम्नवत् प्रदर्शित किया जा सकता है।

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Z Company
Balance Sheet as at

Particulars	Note No.	Amount ₹
I. EQUITY AND LIABILITIES :		
Non-Current Liabilities :		
Long-term Borrowings	1	10,00,000

Notes to Accounts

Particulars	Amount ₹
1. Long-term Borrowings :	
Bank Loan	
(Secured by issue of 10,000, 10% debentures of ₹ 10 each as Collatoral Security)	10,00,000

(2) द्वितीय विधि: इस विधि में सम्पार्श्विक प्रतिभूति के रूप में ऋणपत्रों के निर्गमन का अभिलेखन निम्न रोजनामचा प्रविष्टियों के माध्यम से किया जाता है।जैसे:

I. ₹ 10,00,000 के बैंक कर्ज हेतु सम्पार्श्विक प्रतिभूति के रूप में ₹ 100 प्रति से 10,000, 9% ऋणपत्रों का निर्गमन हुआ।

Debenture Suspense A/c	Dr.	10,00,000	
To 9% Debentures A/c			10,00,000

II. बैंक ऋण के पूर्ण भुगतान पर 9% ऋणपत्रों का सम्पार्श्विक प्रतिभूति के रूप में रद्दीकरण हेतु ऋणपत्र उचन्ती खाता ऋणपत्रों की कटौती के रूप में तुलन-पत्र की दीर्घकालीन देयताओं की टिप्पणी में लिखा जाएगा।ऋण के भुगतान पर उपरोक्त प्रविष्टि को विपरीत प्रविष्टि द्वारा निरस्त (रद्द) किया जाता है।

9% Debenture A/c	Dr.	10,00,000	
To Debentures Suspense A/c			10,00,000

II. बैंक ऋण के पूर्ण भुगतान पर 9% ऋणपत्रों का सम्पार्श्विक प्रतिभूति के रूप में रद्दीकरण हेतु ऋणपत्र उचन्ती खाता ऋणपत्रों की कटौती के रूप में तुलन-पत्र की दीर्घकालीन देयताओं की

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

टिप्पणी में लिखा जाएगा।ऋण के भुगतान पर उपरोक्त प्रविष्टि को विपरीत प्रविष्टि द्वारा निरस्त (रद्द) किया जाता है।

9% Debenture A/c	Dr.	10,00,000	
To Debentures Suspense A/c			10,00,000

Balance Sheet of Z Co. ....

Particulars	Note No.	Amount ₹
I. EQUITY AND LIABILITIES :		
Non-Current Liabilities :		
Long-term Borrowings	1	10,00,000

Notes to Accounts :

Particulars	₹	Amount ₹
1. Long-term Borrowings :		
Bank Loan		10,00,000
10,000, 9% debentures of ₹ 100 each	10,00,000	
Less : Debenture Suspense	10,00,000	—
		10,00,000

प्रश्न 4 ऋणपत्रों के मोचन को ध्यान में रखते हुए ऋणपत्र निर्गम की विभिन्न शर्तों की व्याख्या कीजिए।

उत्तर – ऋणपत्रों के मोचन के अनुसार ऋणपत्र निर्गमित करने की शर्ते-जब एक कम्पनी ऋणपत्रों का निर्गमन करती है तो इनमें प्राय: वे शर्ते निहित होती हैं, जिन पर परिपक्वता के समय ऋणपत्र मोचित किए जाएंगे।ऋणपत्रों के मोचन से आशय 'ऋणपत्र धारक को ऋणपत्र का परिशोधन करने के द्वारा ऋणपत्र खाते से दायित्व मुक्ति होती है।' ऋणपत्रों को सममूल्य पर या प्रीमियम पर मोचित किया जा सकता है।

निर्गम एवं मोचन के नियम एवं शर्तों को देखते हुए निम्नलिखित 6 परिस्थितियाँ सामान्यत: व्यवहार में देखी जा सकती हैं।

1. सममूल्य पर निर्गम एवं सममूल्य पर मोचनीय
2. बट्टे पर निर्गम एवं सममूल्य पर मोचनीय

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

3. प्रीमियम पर निर्गम एवं सममूल्य पर मोचनीय
4. सममूल्य पर निर्गम एवं प्रीमियम पर मोचनीय
5. बट्टे पर निर्गम एवं प्रीमियम पर मोचनीय
6. प्रीमियम पर निर्गम एवं प्रीमियम पर मोचनीय।

उपर्युक्त छह मामलों में ऋणपत्रों के निर्गम के लिए रोजनामचा प्रविष्टियाँ निम्नवत् की जाएंगी:

1. सममूल्य पर निर्गम एवं सममूल्य पर मोचनीय:

(i)	Bank A/c To Debenture Application & Allotment A/c (Receipt of application money)	Dr.
(ii)	Debenture Application & Allotment A/c To Debentures A/c (Allotment of debentures)	Dr.

2. बट्टे पर निर्गम एवं सममूल्य परमोचनीय:

(i)	Bank A/c To Debenture Application & Allotment A/c (Receipt of application money)	Dr.
(ii)	Debenture Application & Allotment A/c Discount on Issue of Debentures A/c To Debentures A/c (Allotment of debentures at a discount)	Dr. Dr.

3. प्रीमियम पर निर्गम एवं सममूल्य पर मोचनीय

(i)	Bank A/c To Debenture Application & Allotment A/c (Receipt of application money)	Dr.
(ii)	Debenture Application & Allotment A/c To Debentures A/c To Securities Premium Reserve A/c (Allotment of debentures at a premium)	Dr.

4. सममूल्य पर निर्गम एवं प्रीमियम पर मोचनीय:

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(i) Bank A/c Dr.
To Debenture Application & Allotment A/c
(Receipt of application money)

(ii) Debenture Application & Allotment A/c Dr.
Loss on Issue of Debentures A/c Dr. (with premium on redemption)
To Debentures A/c (with nominal value of debenture)
To Premium on Redemption of Debenture A/c (with premium on redemption)
(Allotment of debentures at par and redeemable at a premium)

5. बट्टे पर निर्गम और प्रीमियम पर मोचन

(i) Bank A/c Dr.
To Debenture Application & Allotment A/c
(Receipt of application money)

(ii) Debenture Application & Allotment A/c Dr.
Loss on Issue of Debentures A/c Dr. (with premium on redemption)
To Debentures A/c (with nominal value of debenture)
To Premium on Redemption of Debenture A/c (with premium on redemption)
(Allotment of debentures at par and redeemable at a premium)

6. प्रीमियम पर निर्गम एवं प्रीमियम पर मोचन

(i) Bank A/c Dr.
To Debenture Application & Allotment A/c
(Receipt of application money)

(ii) Debenture Application & Allotment A/c Dr.
Loss on Issue of Debentures A/c Dr. (with discount on issue plus premium on redemption)
To Debentures A/c (with nominal value of debenture)
To Premium on Redemption of Debentures A/c (with premium on redemption)
(Allotment of debentures at a discount and redeemable at premium)

नोट मोचन पर प्रीमियम कम्पनी की भविष्य में देय देनदारी होती है। चूंकि यह एक प्रावधान है अतः इसे शीर्षक 'गैर-चालू दायित्व' में उप-शीर्षक 'दीर्घकालीन ऋण' के अन्तर्गत तब तक दर्शाया जाता है जब तक कि ऋणपत्रों का मोचन नहीं हो जाता है।

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

SHIVOM CLASSES 8696608541

प्रश्न 5 क्या कम्पनी खुले बाजार से स्वयं के ऋणपत्र क्रय कर सकती है? व्याख्या कीजिए।

उत्तर – खुले बाजार में क्रय द्वारा मोचन: हाँ, एक कम्पनी खुले बाजार से भी स्वयं के ऋणपत्र का क्रय कर सकती है।जब एक कम्पनी अपने ही ऋणपत्रों को तत्काल निरस्तीकरण (रद्दीकरण) हेतु खुले बाजार में ऋणपत्रों की खरीद करती है, तब ऐसे ऋणपत्रों की खरीद एवं निरसन को खुले बाजार में खरीद द्वारा मोचन कहते हैं।

ऐसे विकल्प से यह लाभ है कि कम्पनी अपनी सुविधानुसार ऋणपत्रों को शोधित/मोचित कर सकती है, जब भी कम्पनी के पास अतिरिक्त नकदी उपलब्ध हों।दूसरे कम्पनी उन्हें तब भी खरीद सकती है जब बाजार में वे बट्टे के साथ उपलब्ध हों।- जब ऋणपत्रों को खुले बाजार से बट्टे में खरीदा एवं रद्द किया जाता है तब रोजनामचा प्रविष्टियों को निम्न प्रकार अभिलिखित करते हैं।

(1) **तत्काल निरस्तीकरण हेतु स्वयं के ऋणपत्रों की खरीद—**

Debentures A/c	Dr.
To Bank A/c	
To Profit on Redemption of Debentures A/c	

(2) **मोचन पर लाभ का हस्तान्तरण—**

Profit on Redemption of Debenture A/c	Dr.
To Capital Reserve A/c	

यदि किसी मामले में ऋणपत्र को उस मूल्य पर बाजार से खरीदा जाता है जो कि साधारण मूल्य से अधिक हो, तब इस आधिक्य राशि को ऋणपत्रों के मोचन पर घाटा या हानि के नाम से जाना जाएगा।ऐसे मामले में रोजनामचा

प्रविष्टियाँ निम्न प्रकार होंगी:

(1)

Debentures A/c	Dr.
Loss on Redemption on Debentures A/c	Dr.
To Bank A/c	

(2)

Statement of Profit and Loss	Dr.
To Loss on Redemption of Debentures A/c	

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

प्रश्न 6 'ऋणपत्र की परिवर्तनीयता' से क्या तात्पर्य है, ऐसी परिवर्तनीयता की विधियों का वर्णन कीजिए।

उत्तर – ऋणपत्र की परिवर्तनीयता (Convertibility of Debentures): कभी - कभी कम्पनी ऋणपत्र के निर्गमन के समय अपने ऋणपत्रधारियों को यह सुविधा दे देती है कि यदि वे चाहें तो एक निश्चित अवधि के बाद अपने ऋणपत्रों को कम्पनी के अंशों में बदल सकते हैं।इस सुविधा से जनता ऋणपत्र खरीदने को आकर्षित हो जाती है।आरम्भ में तो उन्हें ऋणपत्रों पर निश्चित दर से ब्याज मिलता रहता है चाहे कम्पनी को लाभ हो या न हो।

इसके अलावा उनका रुपया भी सुरक्षित रहता है क्योंकि ऋणपत्र कम्पनी की सम्पत्तियों पर सुरक्षित होते हैं।बाद में जब कम्पनी लगातार लाभ कमाने लग जाती है और ऋणपत्रधारियों को कम्पनी की आर्थिक स्थिति पर विश्वास हो जाता है तो वे अपने ऋणपत्रों को अंशों में बदलकर कम्पनी के स्वामी बन सकते हैं तथा अतिरिक्त लाभों में हिस्सा ले सकते हैं।यदि उन्हें कम्पनी की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ प्रतीत नहीं होती हो तो वे या तो अपने ऋणपत्रों का भुगतान ले सकते हैं अथवा नए ऋणपत्र ले सकते हैं।

ऋणपत्रों के परिवर्तन से सम्बन्धित नियम (Rules Applicable to Conversion of Debentures): ऋणपत्रों को इनके निर्गमन की शर्तों के अनुसार परिवर्तन द्वारा शोधन किया जा सकता है कम्पनी अधिनियम के अनुसार, ऋणपत्र के गैर-परिवर्तनीय हिस्से को परिवर्तन द्वारा शोधन नहीं किया जा सकता है।इसका अर्थ है कि केवल उन्हीं ऋणपत्रों का परिवर्तन द्वारा शोधन किया जा सकता है जिन्हें परिवर्तनीय ऋणपत्रों के रूप में निर्गमित किया गया था।कोई भी कम्पनी ऐसे ऋणपत्र निर्गमित कर सकती है जो पूर्णतया अथवा आंशिक रूप से अंशों अथवा नए ऋणपत्रों में परिवर्तनीय हों।

(1) पूर्णतया परिवर्तनीय ऋणपत्र (Fully Convertible Debentures): जब ऋणपत्र की पूरी राशि अंशों अथवा नए ऋणपत्रों में परिवर्तनीय हो तो ऐसे ऋणपत्रों को पूर्णतया परिवर्तनीय ऋणपत्र कहा जाता है।

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(2) अंशतः परिवर्तनीय ऋणपत्र (Partly Convertible Debentures): जब ऋणपत्र की आंशिक राशि ही अंशों अथवा ऋणपत्रों में परिवर्तनीय हो तो ऐसे ऋणपत्रों को 'अंशतः परिवर्तनीय ऋणपत्र' कहा जाता है।ऋणपत्र की शेष राशि का ऋणपत्रधारियों को भुगतान किया जाता है।

उल्लेखनीय है कि पूर्णतया शोधनीय ऋणपत्रों के अंशों अथवा नए ऋणपत्रों में परिवर्तन की दशा में ऋणपत्र शोधन संचय (Debenture Redemption Reserve) बनाने की आवश्यकता नहीं है।परन्तु जब ऋणपत्र आंशिक रूप से अंशों में परिवर्तनीय हैं तो गैर सूचित कम्पनियों की दशा में ऋणपत्र के गैर-परिवर्तनीय हिस्से के लिए 10% की दर से ऋणपत्र शोधन संचय बनाया जाएगा।

विशिष्ट प्रतिभूतियों में विनियोग अथवा ऋणपत्र शोधन विनियोग (Debenture Redemption Investment or DRI): कम्पनी अधिनियम के अनुसार सूचित (Listed) एवं गैर सूचित दोनों ही प्रकार की कम्पनियों के लिए शोधनीय ऋणपत्रों के अंकित मूल्य की राशि का 15% विशिष्ट प्रतिभूतियों में भी विनियोग करना अनिवार्य है।अतः ऋणपत्र शोधन विनियोग (DRI) को ऋणपत्रों के केवल गैर-परिवर्तनीय हिस्से के लिए ही बनाया जाएगा।

लेखांकन व्यवहार:

ऋणपत्रों को अंशों में परिवर्तन की निम्नलिखित प्रविष्टियाँ बनती हैं।

Debentures A/c	Dr.
To Debentureholders' A/c	
Debentureholders' A/c	Dr.
To Share Capital A/c	

यदि नए अंश प्रीमियम पर दिये जाते हैं तो उपरोक्त प्रविष्टि में 'प्रतिभूति प्रीमियम खाते' को क्रेडिट कर दिया जाएगा।पुराने ऋणपत्रों के बदले जो अंश निर्गमित किए जाते हैं वह सम मूल्य पर अथवा प्रीमियम पर दिए जा सकते हैं।

संख्यात्मक प्रश्न:

SHIVOM CLASSES 8696608541

प्रश्न 1 जी लिमिटेड ने ₹ 50 प्रत्येक के 75,00,000, 5% ऋणपत्रों को सममूल्य पर निर्गमित किया जिसमें ₹ 15 आवेदन पत्र पर, शेष ₹ 35 आबंटन पर देय हैं। यह निर्गम की तिथि से सात वर्ष बाद सममूल्य पर मोचनीय हैं। कम्पनी की खाता पुस्तकों के लिए आवश्यक प्रविष्टियाँ अभिलिखित करें।

उत्तर – Books of G Limited Journal:

Date	Particulars	L.F.	Amount Debit	Amount Credit
			₹	₹
(1)	Bank A/c Dr. To 5% Debenture Application A/c (Being 5% debenture application money received @ ₹ 15 per debenture)		11,25,00,000	11,25,00,000
(2)	5% Debenture Application A/c Dr. To 5% Debentures A/c (Being 5% debenture application money transferred to 5% debenture a/c)		11,25,00,000	11,25,00,000
(3)	5% Debenture Allotment A/c Dr. To 5% Debentures A/c (Being 5% debenture allotment money due @ ₹ 35)		26,25,00,000	26,25,00,000
(4)	Bank A/c Dr. To 5% Debenture Allotment A/c (Being 5% debenture allotment money received)		26,25,00,000	26,25,00,000

प्रश्न 2 वाई लिमिटेड ने ₹ 100 प्रत्येक के 2,000, 5% ऋणपत्र निर्गमित किए जिनका निम्नवत् भुगतान करना है: ₹ 25 आवेदन के साथ, ₹ 50 आबंटन पर तथा ₹ 25 प्रथम व अन्तिम माँग पर देय हैं। प्रविष्टियाँ तैयार करें।

उत्तर – Books of Y Limited Journal:

SHIVOM CLASSES 8696608541

Date	Particulars	L.F.	Amount Debit	Amount Credit
			₹	₹
(1)	Bank A/c Dr. To 5% Debenture Application A/c (Being 5% debenture application money received @ ₹ 25)		50,000	50,000
(2)	5% Debenture Application A/c Dr. To 5% Debentures A/c (Being 5% debenture application money transferred to 5% Debentures A/c)		50,000	50,000
(3)	5% Debenture Allotment A/c Dr. To 5% Debentures A/c (Being 5% debenture allotment money due @ ₹ 50)		1,00,000	1,00,000
(4)	Bank A/c Dr. To 5% Debenture Allotment A/c (Being 5% debenture allotment money received)		1,00,000	1,00,000
(5)	5% Debenture First and Final Call A/c Dr. To 5% Debentures A/c (Being 5% debenture first and final call money due @ ₹ 25)		50,000	50,000
(6)	Bank A/c Dr. To 5% Debenture First and Final Call A/c (Being 5% debenture first and final call money received)		50,000	50,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

प्रश्न 3 ए लिमिटेड ने 5% प्रीमियम पर ₹ 100 प्रत्येक के 10,000, 10% ऋणपत्र निम्नवत् भुगतान पर निर्गमित किए: ₹ 10 आवेदन पर; ₹ 20 आबंटन पर प्रीमियम के साथ; तथा शेष राशि पहली एवं अन्तिम माँग पर देय है।सभी ऋणपत्र पूर्णतः अभिदत्त रहें और समस्त धनराशि प्राप्त की गई।आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ करें।तुलनपत्र में इस राशि को कैसे दर्शाया जाएगा?

उत्तर – Books of A Limited Journal:

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Date	Particulars	L.F.	Amount Debit ₹	Amount Credit ₹
(1)	Bank A/c Dr. To 10% Debenture Application A/c (Being 10% debenture application money received @ ₹ 10)		1,00,000	1,00,000
(2)	10% Debenture Application A/c Dr. To 10% Debentures A/c (Being 10% debenture application money transferred to 10% Debenture A/c)		1,00,000	1,00,000
(3)	10% Debenture Allotment A/c Dr. To 10% Debentures A/c To Securities Premium Reserve A/c (Being allotment money due @ ₹ 20 with premium @ ₹ 5)		2,50,000	2,00,000 50,000
(4)	Bank A/c Dr. To 10% Debenture Allotment A/c (Being 10% debenture allotment money received with premium 5%)		2,50,000	2,50,000
(5)	10% Debenture First and Final Call A/c Dr. To 10% Debentures A/c (Being 10% debenture first and final call money due @ ₹ 70)		7,00,000	7,00,000
(6)	Bank A/c Dr. To 10% Debenture First & Final Call A/c (Being 10% debenture first and final call money received)		7,00,000	7,00,000

Balance Sheet

as at .... (Relevant data only)

Particulars	Note No.	Amount ₹	Amount ₹
I. EQUITY AND LIABILITIES :			
Shareholder's Fund :			
Reserve and Surplus	1	50,000	
Non-Current Liabilities :			
Long-term Borrowings	2	10,00,000	
		10,50,000	
II. ASSETS :			
Current Assets :			
Cash and Cash Equivalents		10,50,000	
		10,50,000	

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Notes to Accounts :

Particulars	Amount ₹
(1) Reserve and Surplus :	
Securities Premium Reserve	50,000
(2) Long-term Borrowings :	
10,000, 10% Debentures of ₹ 100 each	10,00,000
	10,50,000

प्रश्न 4 ए लिमिटेड ने 8% के बट्टे पर ₹ 50 प्रत्येक के 90,00,000,9% ऋणपत्र जारी किए जो 9 वर्ष बाद सममूल्य पर मोचनीय हैं।ए लिमिटेड की खाता पुस्तकों हेतु आवश्यक प्रविष्टियाँ करें।

उत्तर – Books of A Limited Journal:

Date	Particulars		L.F.	Amount Debit ₹	Amount Credit ₹
(1)	Bank A/c	Dr.		41,40,00,000	
	To 9% Debenture Application and Allotment A/c				41,40,00,000
	(Being 9% debenture application and allotment money received @ ₹ 46 on 90,00,000 debenture)				
(2)	9% Debenture Application and Allotment A/c	Dr.		41,40,00,000	
	Discount on Issue of Debentures A/c	Dr.		3,60,00,000	
	To 9% Debentures A/c				45,00,00,000
	(Being debenture application and allotment money adjusted)				
(3)	Statement of Profit and Loss	Dr.		3,60,00,000	
	To Discount on Issue of Debentures A/c				3,60,00,000
	(Discount on issue of debentures written off)				

प्रश्न 5 ए लिमिटेड ने निम्नलिखित शर्तों पर ₹ 100 प्रत्येक के 4,000, 9% ऋणपत्र जारी किए।

₹ 20	आवेदन पर
₹ 20	आबंटन पर
₹ 30	प्रथम माँग पर, और
₹ 30	अन्तिम माँग पर

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

जनता ने 4,800 ऋणपत्रों के लिए आवेदन दिए।3,600 आवेदनों को पूर्णतः स्वीकार किया गया।800 . आवेदनों के लिए 400 ऋणपत्र आबंटित किए गए तथा शेष 400 आवेदनों को अस्वीकृत कर दिया गया। आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ दें।

उत्तर – Books of A Limited Journal:

Date	Particulars	L. F.	Amount Debit ₹	Amount Credit ₹
(1)	Bank A/c Dr. To 9% Debenture Application A/c (Being 9% debenture application received on 4,800 debentures @ ₹ 20)		96,000	96,000
(2)	9% Debenture Application A/c Dr. To 9% Debentures A/c To 9% Debenture Allotment A/c To Bank A/c (Being 9% debenture application money adjusted)		96,000	80,000 8,000 8,000
(3)	9% Debenture Allotment A/c Dr. To 9% Debentures A/c (Being amount due on 9% debenture allotment a/c @ ₹ 20)		80,000	80,000
(4)	Bank A/c Dr. To 9% Debenture Allotment A/c (Being 9% debenture allotment money received)		72,000	72,000
(5)	9% Debenture First Call A/c Dr. To 9% Debentures A/c (Being 9% Debenture first call money due @ ₹ 30)		1,20,000	1,20,000
(6)	Bank A/c Dr. To 9% Debenture First Call A/c (Being 9% debenture first call money received @ ₹ 30)		1,20,000	1,20,000
(7)	9% Debenture Final Call A/c Dr. To 9% Debentures A/c (Being 9% debenture final call money due)		1,20,000	1,20,000
(8)	Bank A/c Dr. To 9% Debenture Final Call A/c (Being 9% debenture final call money received)		1,20,000	1,20,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

प्रश्न 6 टी लिमिटेड ने 30 जून, 2014 को 10% प्रीमियम पर ₹ 500 प्रत्येक के 2,00,000,8% ऋणपत्रों को निर्गमित किया जिसमें ₹ 200 आवेदन पर (प्रीमियम सहित); और शेष आबंटन पर देय था तथा 8 वर्षों में मोचनीय था।लेकिन उन्हें 3,00,000 ऋणपत्रों हेतु आवेदन प्राप्त हुए तथा

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

समानुपात आधार पर आबंटन किया गया। आवेदन और आबंटन की बकाया राशि यथानुसार प्राप्त हुई। ऋणपत्र निर्गम से सम्बन्धित सभी आवश्यक प्रविष्टियाँ अभिलिखित कीजिए।

उत्तर – Books of T Limited Journal:

Date	Particulars	L.F.	Amount Debit ₹	Amount Credit ₹
2014 June 30	Bank A/c Dr. To 8% Debenture Application A/c (Being 8% debenture application money received on 3,00,000 debentures @ ₹ 200 including premium 10%)		6,00,00,000	6,00,00,000
"	8% Debenture Application A/c Dr. To 8% Debentures A/c To Securities Premium Reserve A/c To 8% Debenture Allotment A/c (Being 8% debenture application money transferred to 8% debenture a/c and excess money transferred to 8% debenture allotment a/c)		6,00,00,000	3,00,00,000 1,00,00,000 2,00,00,000
"	8% Debenture Allotment A/c Dr. To 8% Debentures A/c (Being 8% debenture allotment money due @ ₹ 350)		7,00,00,000	7,00,00,000
"	Bank A/c Dr. To 8% Debenture Allotment A/c (Being 8% Debenture allotment money received)		5,00,00,000	5,00,00,000

प्रश्न 7 एक्स लिमिटेड ने ₹ 100 प्रत्येक 10,000, 14% ऋणपत्र निर्गमित किए जिसमें ₹ 20 आवेदन पर, ₹ 60 आबंटन पर, तथा शेष माँग पर देने थे। कम्पनी ने 13,500 ऋणपत्रों के आवेदन प्राप्त किए। इनमें से 8,000 को ऋणपत्र दिए गए जबकि 5,000 को 40% मात्र दिए गए और शेष को अस्वीकृत कर दिया गया। अंशतः आबंटित आवेदनों पर प्राप्त आधिक्य का आबंटन पर प्रयोग किया गया। सभी बकाया राशियों को यथानुसार प्राप्त किया गया। आवश्यक प्रविष्टियाँ बताइए।

उत्तर – Books of X Limited Journal:

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Date	Particulars		L.F.	Amount Debit	Amount Credit
				₹	₹
(1)	Bank A/c	Dr.		2,70,000	
	To 14% Debenture Application A/c				2,70,000
	(Being 14% debenture application money received on 13,500 @ ₹ 20)				
(2)	14% Debenture Application A/c	Dr.		2,70,000	
	To 14% Debentures A/c				2,00,000
	To 14% Debenture Allotment A/c				60,000
	To Bank A/c				10,000
	(Being 14% debenture application money adjusted)				
(3)	14% Debenture Allotment A/c	Dr.		6,00,000	
	To 14% Debentures A/c				6,00,000
	(Being 14% debenture allotment money due on 10,000 debenture @ ₹ 60)				
(4)	Bank A/c	Dr.		5,40,000	
	To 14% Debenture Allotment A/c				5,40,000
	(Being 14% debenture allotment money received)				
(5)	14% Debenture First and Final Call A/c	Dr.		2,00,000	
	To 14% Debentures A/c				2,00,000
	(Being 14% debenture first and final call money due on 10,000 debenture @ ₹ 20)				
(6)	Bank A/c	Dr.		2,00,000	
	To 14% Debenture First and Final Call A/c				2,00,000
	(Being first and final call money received)				

SHIVOM CLASSES 8696608541

प्रश्न 8 आर लिमिटेड ने ₹ 200 प्रत्येक 20,00,000, 10% ऋणपत्र 7% बट्टे के साथ निर्गमित किए जो वर्षों के बाद 8% प्रीमियम के साथ मोचनीय थे। आर लिमिटेड की खाता पुस्तकों में आवश्यक प्रविष्टियाँ दें।

उत्तर – Books of R Limited Journal:

Date	Particulars	L.F.	Amount Debit	Amount Credit
			₹	₹
(1)	Bank A/c Dr.		37,20,00,000	
	To 10% Debenture Application & Allotment A/c			37,20,00,000
	(Being 10% debenture application money received at 7% discount)			
(2)	10% Debenture Application and Allotment A/c Dr.		37,20,00,000	
	Loss on Issue of 10% Debentures A/c Dr.		6,00,00,000	
	To 10% Debentures A/c			40,00,00,000
	To Premium on Redemption of 10% Debenture A/c			3,20,00,000
	(Application money transferred to 10% debentures a/c, issued at 7% discount and redeemable at a premium of 8%)			
(3)	Securities Premium Reserve A/c/Statement of Profit and Loss Dr.		6,00,00,000	
	To Loss on Issue of 10% Debentures A/c			6,00,00,000
	(Loss on issue of debentures written off)			

प्रश्न 9 एम लिमिटेड ने एस लिमिटेड से ₹ 9,00,00,000 की परिसम्पत्तियाँ खरीदीं तथा 70,00,000 की देनदारियों की जिम्मेदारी भी ली और ₹ 100 प्रत्येक के 8% ऋणपत्र जारी किए।एम लिमिटेड की खाता पुस्तकों में आवश्यक प्रविष्टियाँ दें।

उत्तर – Books of M Limited Journal:

Date	Particulars	L.F.	Amount Debit	Amount Credit
			₹	₹
(1)	Sundry Assets A/c Dr.		9,00,00,000	
	To Sundry Liabilities A/c			70,00,000
	To S Limited's A/c			8,30,00,000
	(Being M Limited purchased business of S Limited)			
(2)	S Limited's A/c Dr.		8,30,00,000	
	To 8% Debentures A/c			8,30,00,000
	(Being 8,30,000, 8% debentures issued for purchased consideration)			

प्रश्न 10 बी लिमिटेड ने मोहन ब्रदर्स से ₹ 4,00,000 की खाता-मूल्य वाली परिसम्पत्तियाँ खरीदी और 50,000 की देनदारियों की जिम्मेदारियाँ भी प्राप्त की।यह तय हुआ कि खरीद प्रतिफल के रूप में ₹ 3,80,000 का भुगतान ₹ 100 प्रत्येक के ऋणपत्र द्वारा किया जाएगा।इन तीन प्रकरणों में

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

क्या रोजनामचा प्रविष्टियाँ अभिलिखित की जाएँगी यदि ऋणपत्रों का निर्गमन (क) सममूल्य पर (ख) 10% बट्टे पर तथा (ग) 10% प्रीमियम पर किया गया है? यह भी तय हुआ कि ऋणपत्रों में किसी भी प्रकार की भिन्नता (fraction) आने पर इनका रोकड़ में भुगतान कर दिया जाएगा।(टिप्पणी - ख्याति ₹ 30,000)।

उत्तर – Books of B Limited Journal:

Date	Particulars		L.F.	Amount Debit	Amount Credit
				₹	₹
क्रय पर प्रविष्टि	Sundry Assets A/c	Dr.		4,00,000	
	Goodwill A/c	Dr.		30,000	
	To Sundry Liabilities A/c				50,000
	To Mohan Bros.				3,80,000
	(Being B Limited purchased assets and liabilities of Mohan Bros. in purchase consideration of ₹ 3,80,000)				
(क) सममूल्य पर	Mohan Bros.	Dr.		3,80,000	
	To Debentures A/c				3,80,000
	(Being 3,800 debentures issued @ ₹ 100 at par for purchased consideration)				
(ख) 10% बट्टे पर	Mohan Bros.	Dr.		3,80,000	
	Discount on Issue of Debenture A/c	Dr.		42,220	
	To Debentures A/c				4,22,200
	To Bank A/c				20
	(Being 4,222 debentures issued @ ₹ 100 at 10% discount for purchase consideration and balance paid in cash)				
(ग) 10% प्रीमियम पर	Mohan Bros.	Dr.		3,80,000	
	To Debentures A/c				3,45,400
	To Securities Premium Reserve A/c				34,540
	To Bank A/c				60
	(Being 3,454 debentures of ₹ 100 each at 10% premium for purchase consideration and balance paid in cash)				

SHIVOM CLASSES 8696608541

प्रश्न 11 एक्स लिमिटेड ने वाई लिमिटेड से क्रय प्रतिफल के रूप में ₹ 4,40,000 की एक मशीनरी खरीद की सहमति बनाई और यह तय हुआ कि भुगतान ₹ 100 प्रत्येक के 12% ऋणपत्रों द्वारा प्रति ऋणपत्र ₹ 10 प्रीमियम के साथ चुकता किया जाएगा।लेन-देन की रोजनामचा प्रविष्टियाँ दें।

उत्तर – Books of X Limited Journal:

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Date	Particulars	L. F.	Amount	
			Debit	Credit
			₹	₹
(1)	Machinery A/c Dr. To Y Ltd (Being machinery purchased)		4,40,000	4,40,000
(2)	Y Ltd. Dr. To 12% Debentures A/c To Securities Premium Reserve A/c (Being 4,000, 12% debentures of ₹ 100 each issued at 10% premium fully paid up for purchase consideration of machinery)		4,40,000	4,00,000 40,000

प्रश्न 12 एक्स लिमिटेड ने 15,000, 10% ऋणपत्रों को ₹ 100 प्रत्येक के अनुसार निर्गमित किया, निम्न मामलों में रोजनामचा प्रविष्टियाँ एवं तुलन-पत्र बनाइए

(i) ऋणपत्रों का निर्गमन 10% प्रीमियम पर हुआ।

(ii) ऋणपत्रों को 5% बट्टे पर जारी किया गया।

(iii) ऋणपत्रों को बैंक के ₹ 12,00,000 पर प्राप्त ऋण हेतु सम्पार्श्विक प्रतिभूति के रूप में निर्गमित किया गया।

(iv) ₹ 13,50,000 की मशीनरी खरीद पर विक्रेता को ऋणपत्र जारी किए गए।

उत्तर – Books of X Limited Journal:

Date	Particulars	L. F.	Amount	
			Debit	Credit
			₹	₹
(1)	Bank A/c Dr. To 10% Debenture Application and Allotment A/c (Being 15,000, 10% debentures issued at ₹ 100 at 10% premium)		16,50,000	16,50,000
(2)	10% Debenture Application and Allotment A/c Dr. To 10% Debentures A/c To Securities Premium Reserve A/c (Being amount transferred to 10% debentures a/c and securities premium reserve a/c)		16,50,000	15,00,000 1,50,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Balance Sheet

as at ....

Particulars	Note No.	Current Year Amount
I. EQUITY AND LIABILITIES :		
Shareholders' Fund :		
(1) Reserve and Surplus	1	1,50,000
Non-Current Liabilities :		
(1) Long-term Borrowings	2	15,00,000
Total		16,50,000
II. ASSETS :		
Current Assets :		
(1) Cash and Cash Equivalents	3	16,50,000
Total		16,50,000

Notes to Accounts :

Particulars	Amount ₹
1. Reserve and Surplus :	
Securities Premium Reserve	1,50,000
2. Long-term Borrowings :	
15,000, 10% Debentures of ₹ 100 each	15,00,000
3. Cash and Cash Equivalents :	
Cash at Bank	16,50,000

(ii) Journal

Date	Particulars	L.F.	Debit ₹	Credit ₹
(1)	Bank A/c Dr.		14,25,000	
	To 10% Debenture Application and Allotment A/c			14,25,000
	(Being 15,000, 10% debentures issued of ₹ 100 at 5% discount)			
(2)	10% Debenture Application and Allotment A/c Dr.		14,25,000	
	Discount on Issue of 10% Debenture A/c Dr.		75,000	
	To 10% Debentures A/c			15,00,000
	(Being amount transferred to 10% debenture a/c)			
(3)	Statement of Profit and Loss Dr.		75,000	
	To Discount on Issue of Debentures A/c			75,000
	(Discount on issue of debentures written off)			

SHIVOM CLASSES 8696608541

Balance Sheet

as at ....

Particulars	Note No.	Current Year Amount
I. EQUITY AND LIABILITIES :		
Reserve and Surplus	1	(75,000)
Non-Current Liabilities :		
Long-term Borrowings (10% Debentures)	2	15,00,000
Total		14,25,000
II. ASSETS :		
Current Assets :		
Cash and Cash Equivalents	3	14,25,000
Total		14,25,000

Notes to Accounts :

Particulars	Amount ₹
1. Reserve and Surplus :	
Profit & Loss (Discount on issue of Debentures written off)	(75,000)
2. Long-term Borrowings :	
15,000, 10% Debentures of ₹ 100 each	15,00,000
3. Cash and Cash Equivalents :	
Cash at Bank	14,25,000

(iii) Journal

Date	Particulars	L.F.	Amount Debit ₹	Amount Credit ₹
(1)	Bank A/c Dr.		12,00,000	
	To Bank Loan A/c			12,00,000
	(Being loan taken from Bank)			
(2)	Debenture Suspense A/c Dr.		15,00,000	
	To 10% Debentures A/c			15,00,000
	(Being 15,000, 10% debentures issued against Bank loan as collateral security)			

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Balance Sheet

as at ....

Particulars	Note No.	Current Year Amount
I. EQUITY AND LIABILITIES :		
Non-Current Liabilities :		
Long-term Borrowings	1	12,00,000

Notes to Accounts :

Particulars		Amount ₹
1. Long-term Borrowings :		
Bank Loan		12,00,000
10% Debenture A/c	15,00,000	
Less : Debenture Suspense A/c	(15,00,000)	—
		12,00,000

(iv) Journal

Date	Particulars		L.F.	Amount Debit ₹	Amount Credit ₹
(1)	Machinery A/c	Dr.		13,50,000	
	To Supplier's A/c				13,50,000
	(Being machinery purchased)				
(2)	Supplier's A/c	Dr.		13,50,000	
	Discount on issued of 10% Debentures A/c	Dr.		1,50,000	
	To 10% Debentures A/c				15,00,000
	(Being 15,000 debentures issued to suppliers at 10% discount against purchases of machinery)				
(3)	Statement of Profit and Loss	Dr.		1,50,000	
	To Discount on Issue of Debentures A/c				1,50,000
	(Discount on issue of debentures written off)				

SHIVOM CLASSES 8696608541

Balance Sheet
as at ....

Particulars	Note No.	Current Year Amount
I. EQUITY AND LIABILITIES :		
Shareholders' Funds :		
Reserve and Surplus	1	(1,50,000)
Non-Current Liabilities :		
Long-term Borrowings	2	15,00,000
Total		13,50,000
II. ASSETS :		
Non-Current Assets :		
Fixed Assets	3	13,50,000
Total		13,50,000

Notes to Accounts :

Particulars	Amount ₹
1. Reserve and Surplus :	
Profit & Loss (Discount on issue of Debentures written off)	(1,50,000)
2. Long-term Borrowings :	
15,000, 10% Debentures of ₹ 100 each	15,00,000
3. Fixed Assets :	
Machinery	13,50,000

प्रश्न 13 निम्न की रोजनामचा प्रविष्टियाँ दें:

(i) एक ₹ 100 के ऋणपत्र को ₹ 95 में जारी किया गया।

(ii) एक ऋणपत्र को ₹ 95 पर निर्गम किया जिसका मोचन ₹ 195 होगा।

(iii) एक ऋणपत्र ₹ 100 में निर्गमित हुआ तथा ₹ 105 में परिशोधित होगा।उपर्युक्त प्रत्येक मामले में ऋणपत्र का अंकित मूल्य ₹ 100 था।

उत्तर – Journal:

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Date	Particulars	L. F.	Amount Debit	Amount Credit
			₹	₹
(i) (1)	Bank A/c Dr.		95	
	To Debenture Application and Allotment A/c			95
	(Being debenture application and allotment money received)			
(2)	Debenture Application and Allotment A/c Dr.		95	
	Discount on Issue of Debenture A/c Dr.		5	
	To Debenture A/c			100
	(Being debenture application and allotment money transferred to debenture a/c)			
(ii) (1)	Bank A/c Dr.		95	
	To Debenture Application and Allotment A/c			95
	(Being debenture application and allotment money received)			
(2)	Debenture Application and Allotment A/c Dr.		95	
	Loss on Issue of Debenture A/c Dr.		10	
	To Debenture A/c			100
	To Premium on Redemption of Debenture A/c			5
	(Being amount transferred to debenture a/c & premium on redemption of debenture a/c)			
(iii) (1)	Bank A/c Dr.		100	
	To Debenture Application and Allotment A/c			100
	(Being debenture of application and allotment money received)			
(2)	Debenture Application and Allotment A/c Dr.		100	
	Loss on Issue of Debenture A/c Dr.		5	
	To Debenture A/c			100
	To Premium on Redemption of Debenture A/c			5
	(Being debenture issued at par but repayable at premium)			

SHIVOM CLASSES 8696608541

प्रश्न 14 ए लिमिटेड ने 1 अप्रैल 2018 को ₹ 100 प्रत्येक के 50,00,000, 8% ऋणपत्र 6% बट्टे के साथ जारी किए जो 4% प्रीमियम पर लॉटरी के द्वारा मोचनीय हैं:

(i) 20,00,000 ऋणपत्र मार्च 2020 में

(ii) 10,00,000 ऋणपत्र मार्च 2021 में

(iii) 20,00,000 ऋणपत्र मार्च 2022 में

ऋणपत्रों के निर्गमन पर आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ दें।ऋणपत्रों के निर्गम पर बट्टा हानि खाता तैयार करें।

उत्तर – Books of A Limited Journal:

Date	Particulars		L.F.	Amount Debit ₹	Amount Credit ₹
2018 April 1	Bank A/c	Dr.		47,00,00,000	
	To Debenture Application & Allotment A/c				47,00,00,000
	(Being debenture application money received)				
"	Debenture Application & Allotment A/c	Dr.		47,00,00,000	
	Loss on Issue of Debentures A/c	Dr		5,00,00,000	
	To 8% Debenture A/c				50,00,00,000
	To Premium on Redemption of Debentures A/c				2,00,00,000
	(Issue of 50,00,000, 8% debentures of ₹ 100 each at a discount of 6% redeemable at 4% premium)				
2019 Mar. 31	Statement of Profit and Loss	Dr.		5,00,00,000	
	To Loss on Issue of Debentures A/c				5,00,00,000
	(Being loss on issue of debentures written off)				

Dr. **Loss on Issue of Debentures Account** Cr.

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
2018 Apr. 1	To 8% Debentures A/c (Discount on issue)		3,00,00,000	2019 Mar. 31	By Statement of Profit & Loss		5,00,00,000
"	To Premium on Redemption of Debentures A/c		2,00,00,000				
			5,00,00,000				5,00,00,000

प्रश्न 15 एक सूचीगत कम्पनी ने निम्नानुसार ऋणपत्र निर्गमित किए

(i) ₹ 100 प्रत्येक के 10,000, 12% ऋणपत्र सममूल्य पर निर्गमित तथा 5 वर्ष पश्चात् 5% प्रीमियम पर मोचनीय।

(ii) ₹ 100 प्रत्येक के 10,000, 12% ऋणपत्रों को 10% बट्टे के साथ निर्गमित किए पर 5 वर्ष बाद सममूल्य पर मोचनीय थे।

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(iii) ₹ 1,000 प्रत्येक के 5,000, 12% ऋणपत्रों को 5% प्रीमियम पर निर्गमित किया तथा 5 वर्ष बाद . सममूल्य पर मोचनीय हैं।

(iv) ₹ 100 प्रत्येक के 1,000,12 % ऋणपत्र एक मशीन विक्रेता को ₹ 95,000 की मशीन खरीद हेतु निर्गम किए गए।ऋण 5 वर्ष बाद मोचनीय है।

(v) पाँच वर्ष की अवधि के लिए बैंक से ₹ 25,000 के ऋण हेतु कम्पनी ने ₹ 100 प्रत्येक के 300,12 % ऋणपत्र सम्पाश्र्विक प्रतिभूति के रूप में निर्गमित किए।

(क) ऋणपत्रों का निर्गम,

(ख) दी गई अवधि के बाद ऋणपत्रों के परिशोधन हेतु रोजनामचा प्रविष्टियाँ दें।

उत्तर – Journal Date Particulars:

Date	Particulars		L.F.	Amount Debit ₹	Amount Credit ₹
(i)	**(a) at the time of Issue :**				
(1)	Bank A/c	Dr.		10,00,000	
	To 12% Debenture Application and Allotment A/c				10,00,000
	(Being 12% debenture application money received)				
(2)	12% Debenture Application & Allotment A/c	Dr.		10,00,000	
	Loss on Issue of Debentures A/c	Dr.		50,000	
	To 12% Debentures A/c				10,00,000
	To Premium on Redemption of Debenture A/c				50,000
	(Being 12% debenture application and allotment money transferred to debenture a/c redeemable at premium)				
(3)	Statement of Profit and Loss	Dr.		50,000	
	To Loss on Issue of Debentures A/c				50,000
	(Loss on issue of debentures written off)				
	(b) at the time of repayment :				
(4)	12% Debentures A/c	Dr.		10,00,000	
	Premium on Redemption of Debentures A/c	Dr.		50,000	
	To Debentureholders' A/c				10,50,000
	(Being amount due to debenture holders)				
(5)	Debentureholders' A/c	Dr.		10,50,000	
	To Bank A/c				10,50,000
	(Being amount paid)				
(ii)	**(a) at the time of Issue :**				
(1)	Bank A/c	Dr.		9,00,000	
	To 12% Debenture Application and Allotment A/c				9,00,000
	(Being amount received on issue of 12% debentures at 10% discount)				

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(2)	12% Debenture Application and Allotment A/c Dr. Discount on Issue of Debenture A/c Dr. To 12% Debentures A/c (Being amount transferred to debenture a/c)	9,00,000 1,00,000	 10,00,000
(3)	Securities Premium Reserve A/c Dr. Or Statement of Profit and Loss Dr. To Discount on Issue of Debentures A/c	 1,00,000	 1,00,000
	(b) at the time of repayment :		
(4)	12% Debentures A/c Dr. To Debentureholders' A/c (Being amount due)	10,00,000	 10,00,000
(5)	Debentureholders' A/c Dr. To Bank A/c (Payment made)	10,00,000	 10,00,000
(iii)	(a) at the time of issue :		
(1)	Bank A/c Dr. To 12% Debenture Application and Allotment A/c (Being 5,000, 12% debentures amount received @ ₹ 1,000 at 5% premium)	52,50,000	 52,50,000
(2)	12% Debenture Application and Allotment A/c Dr. To 12% Debentures A/c To Securities Premium Reserve A/c (Being amount transferred to 12% debentures a/c and securities premium reserve a/c)	52,50,000	 50,00,000 2,50,000
	(b) at the time of repayment :		
(3)	12% Debentures A/c Dr. To Debentureholders' A/c (Being amount due to debentureholders)	50,00,000	 50,00,000
(4)	Debentureholders' A/c Dr. To Bank A/c (Being amount paid)	50,00,000	 50,00,000
(iv)	(a) at the time of issue :		
(1)	Machinery A/c Dr. To Supplier's (Vendor's) A/c (Being machinery purchased)	95,000	 95,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(2)	Supplier's (Vendor's) A/c Dr. Discount on Issue of Debenture A/c Dr. To 12% Debentures A/c (Being 1,000, 12% debenture @ ₹ 100 each issued at 5% discount for purchase consideration)		95,000 5,000	1,00,000
(3)	Securities Premium Reserve A/c/ Statement of Profit and Loss Dr. To Discount on Issue of Debentures A/c (Discount written off)		5,000	5,000
	(b) at the time of repayment :			
(4)	12% Debentures A/c Dr. To Debentureholders' A/c (Being amount due to debentureholders)		1,00,000	1,00,000
(5)	Debentureholders' A/c Dr. To Bank A/c (Being amount paid to debentureholders)		1,00,000	1,00,000
(v)	(a) at the time of issue :			
(1)	Bank A/c Dr. To Bank Loan A/c (Being loan taken from bank)		25,000	25,000
(2)	Debenture Suspenses A/c Dr. To 12% Debentures A/c (Being 300, 12% debentures ₹ 100 each issued as collateral security)		30,000	30,000
	(b) at the time of repayment :			
(3)	12% Debentures A/c Dr. To Debenture Suspense A/c (Debenture a/c and debenture suspense a/c closed)		30,000	30,000

नोट: यहाँ ऋणपत्र शोधन संचय का ध्यान नहीं रखा गया है क्योंकि कम्पनी एक सूचीगत कम्पनी है।

प्रश्न 16 एक सूचीगत कम्पनी ने 1 अप्रैल, 2014 को 6% बट्टे के साथ ₹ 5,00,000 के अंकित मू के ऋणपत्र जारी किए।यह ऋणपत्र ₹ 1,00,000 वार्षिक आहरणों पर प्रतिवर्ष 31 मार्च, 2016 से शुरू होने वे 31 मार्च को मोचनीय हैं।ऋणपत्रों के निर्गमन हेतु, बट्टे के अपलेखन हेतु एवं ऋणपत्रों के शोधन से सम्बन्धित रोजनामचा प्रविष्टि दीजिए।

उत्तर – Journal:

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Date	Particulars		L.F.	Debit ₹	Credit ₹
2014 April 1	Bank A/c	Dr.		4,70,000	
	To Debenture Application and Allotment A/c				4,70,000
	(Being debenture application money received)				
April 1	Debenture Application and Allotment A/c	Dr.		4,70,000	
	Discount on Issue of Debentures A/c	Dr.		30,000	
	To Debentures A/c				5,00,000
	(Being debentures application money adjusted)				
2015 Mar. 31	Securities Premium Reserve A/c/ Statement of Profit and Loss	Dr.		30,000	
	To Discount on Issue of Debentures A/c				30,000
	(Being discount on issue of debentures written off)				
Apr. 30	Debenture Redemption Investment A/c	Dr.		15,000	
	To Bank A/c				15,000
	(Being investment made @ 15% of the face value of debentures to be redeemed i.e., 15% of first instalment of ₹ 1,00,000)				
2016 Mar. 31	Debentures A/c	Dr.		1,00,000	
	To Debentureholders' A/c				1,00,000
	(Being amount due on redemption)				
Mar. 31	Debentureholders' A/c	Dr.		1,00,000	
	To Bank A/c				1,00,000
	(Being payment made to debentureholders)				
2017 Mar. 31	Debentures A/c	Dr.		1,00,000	
	To Debentureholders' A/c				1,00,000
	(Being amount due on redemption)				
Mar. 31	Debentureholders' A/c	Dr.		1,00,000	
	To Bank A/c				1,00,000
	(Being payment made to debentureholders)				
2018 Mar. 31	Debentures A/c	Dr.		1,00,000	
	To Debentureholders' A/c				1,00,000
	(Being amount due on redemption)				
Mar. 31	Debentureholders' A/c	Dr.		1,00,000	
	To Bank A/c				1,00,000
	(Being payment made to debentureholders)				
2019 Mar. 31	Debentures A/c	Dr.		1,00,000	
	To Debentureholders' A/c				1,00,000
	(Being amount due on redemption)				
Mar. 31	Debentureholders' A/c	Dr.		1,00,000	
	To Bank A/c				1,00,000
	(Being payment made to debentureholders)				
Mar. 31	Debentureholders' A/c	Dr.		1,00,000	
	To Bank A/c				1,00,000
	(Being payment made to debentureholders)				
2020 Mar. 31	Bank A/c	Dr.		15,000	
	To Debenture Redemption Investment A/c				15,000
	(Being investment encashed)				
Mar. 31	Debentures A/c	Dr.		1,00,000	
	To Debentureholders' A/c				1,00,000
	(Being amount due on redemption)				
Mar. 31	Debentureholders' A/c	Dr.		1,00,000	
	To Bank A/c				1,00,000
	(Being payment made to debentureholders)				

SHIVOM CLASSES 8696608541

Note : सूचीगत कम्पनी होने की वजह से ऋणपत्र शोधन संचय बनाने की आवश्यकता नहीं है।किन्तु शोधनीय ऋणपत्रों की राशि के न्यूनतम 15% का निवेश करना आवश्यक है।

प्रश्न 17 एक कम्पनी ने 1 अप्रैल, 2011 को 6% बट्टे पर 1,20,000 अंकित मूल्य के 10% ऋणपत्र निर्गमित किए।ऋणपत्रों का भुगतान ₹ 40,000 के वार्षिक आहरणों में किया जाना है जो तीसरे वर्ष की समाप्ति पर शुरू होता है।आप ऋणपत्रों के बट्टे का निपटान कैसे करेंगे? रोजनामचा प्रविष्टियाँ दें।कम्पनी की खाता पुस्तकों में ऋणपत्र बट्टा खाता भी दिखाएँ।यह मानकर चलें कि कम्पनी के खाते प्रतिवर्ष 31 मार्च को बन्द होते हैं।

उत्तर – Journal:

Date	Particulars		L.F.	Amount Debit ₹	Amount Credit ₹
2011 Apr. 1	Bank A/c	Dr.		1,12,800	
	To 10% Debenture Application and Allotment A/c				1,12,800
	(Debentures application money received)				
Apr. 1	10% Debentures Application and Allotment A/c	Dr.		1,12,800	
	Discount on Issue of Debentures A/c	Dr.		7,200	
	To 10% Debentures A/c				1,20,000
	(Debenture application money adjusted)				
2012 Mar. 31	Statement of Profit and Loss	Dr.		7,200	
	To Discount on Issue of Debentures A/c				7,200
	(Discount on issue of debentures written off)				
2013 Apr. 30	Debenture Redemption Investment A/c	Dr.		6,000	
	To Bank A/c				6,000
	(Being investment made @ 15% of the face value of debentures to be redeemed i.e., 15% of first instalment of ₹ 40,000)				
2014 Mar. 31	10% Debentures A/c	Dr.		40,000	
	To Debentureholders' A/c				40,000
	(Being amount due on redemption)				
"	Debentureholders' A/c	Dr.		40,000	
	To Bank A/c				40,000
	(Being payment made to debentureholders)				
2015 Mar. 31	10% Debentures A/c	Dr.		40,000	
	To Debentureholders' A/c				40,000
	(Being amount due on redemption)				
"	Debentureholders' A/c	Dr.		40,000	
	To Bank A/c				40,000
	(Being payment made to debentureholders)				

SHIVOM CLASSES 8696608541

Date	Particulars		L.F.	Debit	Credit
2016 Mar. 31	Bank A/c	Dr.		6,000	
	To Debenture Redemption Investment A/c				6,000
	(Being investment encashed)				
"	10% Debentures A/c	Dr.		40,000	
	To Debentureholders' A/c				40,000
	(Being amount due on redemption)				
"	Debentureholders' A/c	Dr.		40,000	
	To Bank A/c				40,000
	(Being payment made to debentureholders)				

Discount on Issue of Debentures Alc:

Dr. Discount on Issue of Debentures A/c Cr.

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
2011 Apr. 1	To 10% Debentures A/c		7,200	2012 Mar. 31	By Statement of Profit and Loss		7,200
			7,200				7,200

Note: कम्पनी को सचीगत कम्पनी माना गया है।

प्रश्न 18 बी लिमिटेड (एक सूचीगत कम्पनी) ने 1 अप्रैल, 2011 को ₹ 4,00,000 के लिए 94% पर ऋणपत्र जारी किए जो 80,000 प्रतिवर्ष के अनुसार पाँच बराबर किस्तों में मोचनीय हैं।कम्पनी अपने अन्तिम खाते हर वर्ष 31 मार्च को तैयार करती है।ऋणपत्रों के निर्गमन एवं शोधन हेतु आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ दें।

उत्तर – Books of B Limited Journal:

Date	Particulars		L.F.	Debit ₹	Credit ₹
2011 Apr. 1	Bank A/c	Dr.		3,76,000	
	To Debentures Application and Allotment A/c				3,76,000
	(Debentures application and allotment money received for 94% of ₹ 4,00,000).				
"	Debentures Application and Allotment A/c	Dr.		3,76,000	
	Discount on Issue of Debentures A/c	Dr.		24,000	
	To Debentures A/c				4,00,000
	(Debenture application and allotment money adjusted)				
Apr. 30	Debenture Redemption Investment A/c	Dr.		12,000	
	To Bank A/c				12,000
	(Investment made @ 15% for redemption of debentures)				

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

2012 Mar. 31	Statement of Profit and Loss Dr. To Discount on Issue on Debentures A/c (Discount on issue of debentures written off)		24,000	24,000
Mar. 31	Debentures A/c Dr. To Debentureholders' A/c (Amount due on redemption)		80,000	80,000
"	Debentureholders' A/c Dr. To Bank A/c (Payment made to debentureholders)		80,000	80,000
2013 Mar. 31	Debentures A/c Dr. To Debentureholders' A/c (Amount due on redemption)		80,000	80,000
"	Debentureholders' A/c Dr. To Bank A/c (Payment made to debentureholders)		80,000	80,000
2014 Mar. 31	Debentures A/c Dr. To Debentureholders' A/c (Amount due on redemption)		80,000	80,000
"	Debentureholders' A/c Dr. To Bank A/c (Payment made to debentureholders)		80,000	80,000
2015 Mar. 31	Debentures A/c Dr. To Debentureholders' A/c (Amount due on redemption)		80,000	80,000
"	Debentureholders' A/c Dr. To Bank A/c (Payment made to debentureholders)		80,000	80,000
2016 Mar. 31	Bank A/c Dr. To Debenture Redemption Investment A/c (Investment encashed)		12,000	12,000
"	Debentures A/c Dr. To Debentureholders' A/c (Amount due on redemption)		80,000	80,000
"	Debentureholders' A/c Dr. To Bank A/c (Payment made to debentureholders)		80,000	80,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

प्रश्न 19 (a) बी लिमिटेड 1 अप्रैल, 2014 को 5% बट्टे पर ₹ 100 प्रत्येक के 1,000, 12% ऋणपत्र निर्गमित किए जो परिपक्वता अवधि पर 10% प्रीमियम के साथ मोचनीय हैं।

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

ऋणपत्र के निर्गम तथा 31 मार्च, 2015 की समाप्त अवधि हेतु ऋणपत्र पर ब्याज से सम्बन्धित रोजनामचा प्रविष्टियाँ तैयार करें यह मानकर कि अर्द्धवार्षिक (30 सितम्बर व 31 मार्च को) ब्याज देय है।

(b) इन मामलों हेतु क्या रोजनामचा प्रविष्टियाँ की जाएँगी जहाँ कम्पनी ऋणपत्र अवधि पूरी होने पर सूचना भेज कर ऋणपत्र मोचित करती है।

(क) ऋणपत्रों को सममूल्य पर इस शर्त में जारी किया गया कि मोचन प्रीमियम के साथ होगा;

(ख) जब ऋणपत्रों को इस शर्त के साथ प्रीमियम के साथ जारी किया गया कि मोचन सममूल्य पर होगा;

(ग) जब ऋणपत्रों को बट्टे पर जारी किया गया तथा प्रीमियम के साथ मोचन किया गया।

उत्तर – Books of B Limited Journal:

Date	Particulars	L.F.	Amount Debit ₹	Amount Credit ₹
2014 Apr. 1	Bank A/c Dr.		95,000	
	To 12% Debenture Application and Allotment A/c			95,000
	(Being 12% debenture application money received)			
"	12% Debenture Application and Allotment A/c Dr.		95,000	
	Loss on Issue of Debenture A/c Dr.		15,000	
	To 12% Debentures A/c			1,00,000
	To Premium on Redemption of Debenture A/c			10,000
	(Being debenture issued at 5% discount and redeemable at premium 10%)			
Sept. 30	Debenture Interest A/c Dr.		6,000	
	To Income Tax Payable A/c			600
	To Debentureholders' A/c			5,400
	(Being interest on debentures due for 6 months, TDS 10%)			
Sep. 30	Debentureholders' A/c Dr.		5,400	
	To Bank A/c			5,400
	(Being amount paid)			
2015 Mar. 31	Debenture Interest A/c Dr.		6,000	
	To Income Tax Payable A/c			600
	To Debentureholders' A/c			5,400
	(Being interest on debenture due)			

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Mar. 31	Debentureholders' A/c Dr. To Bank A/c (Being interest paid to debentureholders)		5,400	5,400
Mar. 31	Statement of Profit and Loss Dr. To Interest on Debenture A/c To Loss on Issue of Debentures A/c (Balances transferred to statement of profit and loss)		27,000	12,000 15,000

(b) **Journal**

Date	Particulars	L.F.	Amount Debit ₹	Amount Credit ₹
(क)(1)	Debentures A/c Dr. Premium on Redemption of Debenture A/c Dr. To Debentureholders' A/c (Being amount due to debentureholders)			
(2)	Debentureholders' A/c Dr. To Bank A/c (Being amount paid)			
(ख)(1)	Debentures A/c Dr. To Debentureholders' A/c (Being amount due to debentureholders)			
(2)	Debentureholders' A/c Dr. To Bank A/c (Being amount paid to debentureholders)			
(ग)(1)	Debentures A/c Dr. Premium on Redemption of Debenture A/c Dr. To Debentureholders' A/c (Being amount due to debentureholders a/c)			
(2)	Debentureholders' A/c Dr. To Bank A/c (Being amount paid to debentureholders)			

SHIVOM CLASSES 8696608541

प्रश्न 20 जे.के. लिमिटेड (एक अन्य असूचीगत कम्पनी) ने ₹ 100 प्रति ऋणपत्र पर 60,000, 12% ऋणपत्र निर्गमित किये जो 5 वर्ष पश्चात् 20% प्रीमियम पर शोधनीय हैं।निर्गम की तिथि पर ₹ 5,00,000 की राशि प्रतिभूति प्रीमियम संचय में विद्यमान है।कम्पनी ने 31 मार्च, 2017, 2018 और 2019 को तीन बराबर किस्तों में आवश्यक.राशि से ऋणपत्र शोधन संचय बनाया।इसने वित्तीय वर्ष की 1 अप्रैल को निर्दिष्ट प्रतिभूतियों में (ऋणपत्र शोधन निवेश-DRI) आवश्यक राशि का निवेश किया।

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

देय तिथि पर ऋणपत्रों का विधिवत् शोधन किया गया। आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ दीजिए:

(i) ऋणपत्रों के निर्गम के लिए।

(ii) ऋणपत्र निर्गम पर हानि के अपलेखन के लिए।

(iii) वर्ष 2015-16 के लिए ऋणपत्रों पर ब्याज यह मानते हुए कि यह वार्षिक भुगतान किया जाता है और स्रोत पर कर कटौती 10% है।

(iv) ऋणपत्रों के शोधन के लिए।

उत्तर – Books of J.K. Limited Journal:

Date	Particulars	L.F.	Amount Debit ₹	Amount Credit ₹
2015 April 1	Bank A/c Dr. To 12% Debenture Application & Allotment A/c (Receipt of application money)		60,00,000	60,00,000
April 1	12% Debenture Application and Allotment A/c Dr. Loss on Issue of Debenture A/c To 12% Debentures A/c To Premium on Redemption of Debentures A/c (Application money adjusted, issued at par redeemable at premium)		60,00,000 12,00,000	60,00,000 12,00,000
2016 Mar. 31	Interest on Debentures A/c Dr. To Debentureholders' A/c To Income Tax Payable A/c (Interest due on debentures and tax deducted at source)		7,20,000	6,48,000 72,000
Mar. 31	Debentureholders' A/c Dr. To Bank A/c (Payment of interest made)		6,48,000	6,48,000
Mar. 31	Income Tax Payable A/c Dr. To Bank A/c (TDS deposited)		72,000	72,000
Mar. 31	Statement of Profit and Loss Dr. To Interest on Debentures A/c (Interest on debentures transferred to statement of profit and loss)		7,20,000	7,20,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

Mar. 31	Securities Premium Reserve A/c Dr. Statement of Profit and Loss Dr. To Loss on Issue of Debentures A/c (Loss on issue of debentures written off)		5,00,000 7,00,000	12,00,000
2017 Mar. 31	Surplus in Statement of Profit and Loss Dr. To Debenture Redemption Reserve A/c (D.R.R. created 1/3rd of 10% of ₹ 60,00,000)		2,00,000	2,00,000
2018 Mar. 31	Surplus in Statement of Profit and Loss Dr. To Debenture Redemption Reserve A/c (D.R.R. created 1/3rd of 10% of ₹ 60,00,000)		2,00,000	2,00,000
2019 Mar. 31	Surplus in Statement of Profit and Loss Dr. To Debenture Redemption Reserve A/c (D.R.R. created 1/3rd of 10% of ₹ 60,00,000)		2,00,000	2,00,000
April 1	Debenture Redemption Investment A/c Dr. To Bank A/c (Investment made @ 15% of ₹ 60,00,000)		9,00,000	9,00,000
2020 Mar. 31	Bank A/c Dr. To Debenture Redemption Investment A/c (Investment encashed)		9,00,000	9,00,000
Mar. 31	12% Debentures A/c Dr. Premium on Redemption of Debentures A/c Dr. To Debentureholders' A/c (Amount due on redemption)		60,00,000 12,00,000	72,00,000
Mar. 31	Debentureholders' A/c Dr. To Bank A/c (Payment of amount due to debentureholders)		72,00,000	72,00,000
Mar. 31	Debenture Redemption Reserve A/c Dr. To General Reserve A/c (Transfer to debenture redemption reserve a/c to general reserve a/c on redemption)		6,00,000	6,00,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

प्रश्न 21 जनवरी 1,2020 को मधुर लिमिटेड के पास सममूल्य पर शोध्य ₹ 5,00,000 के 9% ऋणपत्र हैं।सभी ऋणपत्रों का शोधन देय तिथि पर हुआ।रोजनामचा प्रविष्टियाँ दें और आवश्यक खाते तैयार करें।

उत्तर – Books of Madhur Limited Journal:

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Date	Particulars		L. F.	Amount	
				Debit	Credit
				₹	₹
2020 Jan. 1	9% Debentures A/c To Debentureholders' A/c (Being debentures due for redemption)	Dr.		5,00,000	5,00,000
"	Debentureholders' A/c To Bank A/c (Being payment made to debentureholders)	Dr.		5,00,000	5,00,000

Dr. **9% Debentures Account** Cr.

Date	Particulars	J. F.	Amount ₹	Date	Particulars	J. F.	Amount ₹
2020 Jan. 1	To Debentureholders' Account		5,00,000	2020 Jan. 1	By Balance c/d		5,00,000
			5,00,000				5,00,000

Dr. **Debentureholders' Account** Cr.

Date	Particulars	J. F.	Amount ₹	Date	Particulars	J. F.	Amount ₹
2020 Jan. 1	To Bank A/c		5,00,000	2020 Jan. 1	By 9% Debentures		5,00,000
			5,00,000				5,00,000

प्रश्न 22 एम.के. लिमिटेड के पास ₹ 100 प्रति ऋणपत्र के 30,000,11% ऋणपत्र हैं जो 10% प्रीमियम पर इस प्रकार शोधनीय हैं

उत्तर – Books of M.K Limited of Journal:

Date	Particulars		L. F.	Amount	
				Debit	Credit
				₹	₹
2017 Mar. 31	Surplus in Statement of Profit and Loss To Debenture Redemption Reserve A/c (Debenture redemption reserve created at 10% of ₹ 30,00,000)	Dr.		3,00,000	3,00,000
Apr. 30	Debenture Redemption Investment A/c To Bank A/c (Investment made in Govt. securities equal to 15% of the face value of debenture to be redeemed i.e., 15% of first instalment of ₹ 10,00,000)	Dr.		1,50,000	1,50,000

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Date	Particulars		L.F.	Dr. (₹)	Cr. (₹)
2018 Mar. 31	11% Debenture A/c	Dr.		10,00,000	
	Premium of Redemption of Debentures A/c	Dr.		1,00,000	
	To Debentureholders' A/c				11,00,000
	(Amount of debentures and premium payable on redemption)				
Mar. 31	Debentureholders' A/c	Dr.		11,00,000	
	To Bank A/c				11,00,000
	(Payment made to debentureholders)				
Mar. 31	Debenture Redemption Reserve A/c	Dr.		1,00,000	
	To General Reserve A/c				1,00,000
	(Proportionate amount of DRR for 10,000 debentures transferred to general reserve)				
Apr. 30	Debenture Redemption Investment A/c	Dr.		30,000	
	To Bank A/c				30,000
	(Investment made equal to 15% of additional amount of ₹ 2,00,000 i.e., ₹ 12,00,000 – ₹ 10,00,000)				
2019 Mar. 31	Bank A/c	Dr.		60,000	
	To Debenture Redemption Investment A/c				60,000
	(Investment encashed equal to 15% of ₹ 4,00,000 i.e., ₹ 12,00,000 – ₹ 8,00,000)				
Mar. 31	11% Debenture A/c	Dr.		12,00,000	
	Premium on Redemption of Debentures A/c	Dr.		1,20,000	
	To Debentureholders' A/c				13,20,000
	(Amount of debentures and premium payable on redemption)				
Mar. 31	Debentureholders' A/c	Dr.		13,20,000	
	To Bank A/c				13,20,000
	(Payment made to debentureholders)				
Mar. 31	Debenture Redemption Reserve A/c	Dr.		1,20,000	
	To General Reserve A/c				1,20,000
	(Proportionate amount of DRR for 12,000 debentures transferred to general reserve)				

Mar. 31	11% Debentures A/c	Dr.		8,00,000	
	Premium on Redemption of Debentures A/c	Dr.		80,000	
	To Debentureholders' A/c				8,80,000
	(Amount of debenture and premium payable on redemption)				
Mar. 31	Debentureholders' A/c	Dr.		8,80,000	
	To Bank A/c				8,80,000
	(Payment made to debentureholders)				
Mar. 31	Debenture Redemption Reserve A/c	Dr.		80,000	
	To General Reserve A/c				80,000
	(Balance of DRR transferred to general reserve)				

SHIVOM CLASSES 8696608541

प्रश्न 23 एक्स वाई जेड लिमिटेड ने अप्रैल 1, 2014 को ₹ 50 प्रति ऋणपत्र के 6,000, 12% ऋणपत्रों को निर्गमित किया।इन ऋणपत्रों पर प्रत्येक वर्ष मार्च 31 को वार्षिक ब्याज देय है।इन ऋणपत्रों को चार समान किस्तों पर तीसरे, चौथे, पाँचवें और छठे वर्ष के अन्त में शोधन किया जाएगा।

निम्न के सन्दर्भ में आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ दें:

1. ऋणपत्रों का सममूल्य पर निर्गम व शोधन
2. ऋणपत्रों का 10% प्रीमियम पर निर्गम व सममूल्य पर शोधन
3. ऋणपत्रों का 10% बट्टे पर निर्गम व सममूल्य पर शोधन
4. ऋणपत्रों का सममूल्य पर निर्गम और 10% प्रीमियम पर शोधन
5. ऋणपत्रों का 10% प्रीमियम पर निर्गम व 10% प्रीमियम पर शोधन
6. ऋणपत्रों का 10% बट्टे पर निर्गम और 10% प्रीमियम पर शोधन।

उत्तर – 1. जब ऋणपत्रों का सममूल्य पर निर्गम व शोधन किया जाये:

Journal

Date	Particulars		L.F.	Amount Debit	Amount Credit
				₹	₹
2014 April 1 (a)	Bank A/c	Dr.		3,00,000	
	To Debenture Application & Allotment A/c				3,00,000
	(Being application money received)				
(b)	Debenture Application & Allotment A/c	Dr.		3,00,000	
	To 12% Debentures A/c				3,00,000
	(Being debentures alloted)				
2015 Mar. 31 (c)	Debenture Interest A/c	Dr.		36,000	
	To Debentureholders' A/c				36,000
	(Being interest due on debentures)				
"	Debentureholders' A/c	Dr.		36,000	
	To Bank A/c				36,000
	(Being payment of interest made)				

SHIVOM CLASSES 8696608541

"	Debentureholders' A/c To Bank A/c (Being payment made)	Dr.	36,000	36,000
"	Statement of Profit and Loss To DRR A/c (Being DRR @ 10% created)	Dr.	30,000	30,000
Mar. 31	Statement of Profit and Loss To Debenture Interest A/c (Debenture interest a/c transferred)	Dr.	36,000	36,000
2016 Apr. 30	DRI A/c To Bank A/c (Being DRI @ 15% made)	Dr.	11,250	11,250
2017 Mar. 31	Debenture Interest A/c To Debentureholders' A/c (Being interest due on debentures)	Dr.	36,000	36,000
"	12% Debentures A/c To Debentureholders' A/c (Being 1,500 debentures due for redemption)	Dr.	75,000	75,000
"	Debentureholders' A/c To Bank A/c (Being amount paid)	Dr.	1,11,000	1,11,000
"	DRR A/c To General Reserve A/c (Being one fourth DRR transferred)	Dr.	7,500	7,500
"	Statement of Profit and Loss To Debenture Interest A/c (Debenture interest a/c transferred)	Dr.	36,000	36,000
2018 Mar. 31	Debenture Interest A/c To Debentureholders' A/c (Being interest due on 4,500 debentures)	Dr.	27,000	27,000
"	12% Debentures A/c To Debentureholders' A/c (Being 1,500 debentures due for redemption)	Dr.	75,000	75,000
"	Bank A/c To DRI A/c (Being DRI realised)	Dr.	11,250	11,250
"	DRR A/c To General Reserve A/c (Being balance of DRR transferred)	Dr.	7,500	7,500
"	Statement of Profit and Loss To Debenture Interest A/c (Debenture interest transferred)	Dr.	9,000	9,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

2. ऋणपत्रों का 10% प्रीमियम पर निर्गम व सममूल्य पर शोधन किया जाए :

Journal:

Date	Particulars		L.F.	Amount Debit	Amount Credit
				₹	₹
2014 Apr. 1	Bank A/c	Dr.		3,30,000	
	To Debenture Application and Allotment A/c				3,30,000
	(Being application money received)				
"	Debenture Application and Allotment A/c	Dr.		3,30,000	
	To 12% Debentures A/c				3,00,000
	To Security Premium Reserve A/c				30,000
	(Being debentures issued at premium)				
	Remaining entries will be same as given in part 1 from dated 2015 March 31 shown by (c) till end.				

3. ऋणपत्रों का 10% बट्टे पर निर्गम व सममूल्य पर शोधन किया जाए :

Journal

Date	Particulars		L.F.	Amount Debit	Amount Credit
				₹	₹
2014 April 1	Bank A/c	Dr.		2,70,000	
	To Debenture Application & Allotment A/c				2,70,000
	(Being application money received)				
"	Debenture Application & Allotment A/c	Dr.		2,70,000	
	Discount on Issue of Debentures A/c	Dr.		30,000	
	To 12% Debentures A/c				3,00,000
	(Being debentures issued at discount)				
2015 Mar. 31	Statement of Profit and Loss	Dr.		30,000	
	To Discount on Issue of Debentures A/c				30,000
	(Being discount written off)				
	Remaining entries will be same as given part 1 from dated 2015 March 31 shown by (c) till end.				

4. ऋणपत्रों का सममूल्य पर निर्गम और 10% प्रीमियम पर शोधन :

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Journal:

Date	Particulars		L. F.	Amount Debit ₹	Amount Credit ₹
2014 April 1	Bank A/c	Dr.		3,00,000	
	To Debenture Application and Allotment A/c				3,00,000
	(Being application money received)				
"	Debenture Application and Allotment A/c	Dr.		3,00,000	
	Loss on Issue of Debentures A/c	Dr.		30,000	
	To 12% Debentures A/c				3,00,000
	To Premium on Redemption of Debentures A/c				30,000
	(Being debentures issued at par and redeemable at premium)				
2015 Mar. 31	Statement of Profit and Loss	Dr.		30,000	
	To Loss on Issue of Debentures A/c				30,000
	(Being loss written off)				
Mar. 31	Debenture Interest A/c	Dr.		36,000	
	To Debentureholders' A/c				36,000
	(Being interest due)				
Mar. 31	Debentureholders' A/c	Dr.		36,000	
	To Bank A/c				36,000
	(Being interest paid)				
Mar. 31	Statement of Profit and Loss	Dr.		36,000	
	To Debenture Interest A/c				36,000
	(Debenture interest a/c transferred)				
2016 Mar. 31	Debenture Interest A/c	Dr.		36,000	
	To Debentureholders' A/c				36,000
	(Being interest due)				
Mar. 31	Debentureholders' A/c	Dr.		36,000	
	To Bank A/c				36,000
	(Being interest paid)				
Mar. 31	Statement of Profit and Loss	Dr.		30,000	
	To DRR A/c				30,000
	(Being 10% DRR made)				
Mar. 31	Statement of Profit and Loss	Dr.		36,000	
	To Debenture Interest A/c				36,000
	(Debenture interest a/c transferred)				
Apr. 30	DRI A/c	Dr.		11,250	
	To Bank A/c				11,250
	(Being DRI @ 15% made)				

SHIVOM CLASSES 8696608541

2017				
Mar. 31	Debenture Interest A/c	Dr.	36,000	
	To Debentureholders' A/c			36,000
	(Being interest due)			
Mar. 31	12% Debentures A/c	Dr.	75,000	
	Premium on Redemption A/c	Dr.	7,500	
	To Debentureholders' A/c			82,500
	(Being 1,500 debentures due for redemption)			
Mar. 31	Debentureholders' A/c	Dr.	1,18,500	
	To Bank A/c			1,18,500
	(Being payment made)			
Mar. 31	DRR A/c	Dr.	7,500	
	To General Reserve A/c			7,500
	(Being one fourth of DRR transferred to general reserve)			
Mar. 31	Statement of Profit and Loss	Dr.	36,000	
	To Debenture Interest A/c			36,000
	(Balance transferred)			
2018				
Mar. 31	Debenture Interest A/c	Dr.	27,000	
	To Debentureholders' A/c			27,000
	(Being interest due on 4,500 debentures)			
Mar. 31	12% Debentures A/c	Dr.	75,000	
	Premium on Redemption A/c	Dr.	7,500	
	To Debentureholders' A/c			82,500
	(Being 1,500 debentures due for redemption)			
Mar. 31	Debentureholders' A/c	Dr.	1,09,500	
	To Bank A/c			1,09,500
	(Being amount paid)			
Mar. 31	DRR A/c	Dr.	7,500	
	To General Reserve A/c			7,500
	(Being DRR for 1,500 debentures transferred)			
Mar. 31	Statement of Profit and Loss	Dr.	27,000	
	To Debenture Interest A/c			27,000
	(Balance transferred)			
2019				
Mar. 31	Debentures Interest A/c	Dr.	18,000	
	To Debentureholders' A/c			18,000
	(Being interest due on 3,000 debentures)			
Mar. 31	12% Debentures A/c	Dr.	75,000	
	Premium on Redemption A/c	Dr.	7,500	
	To Debentureholders' A/c			82,500
	(Being 1,500 debentures due for redemption)			
Mar. 31	DRR A/c	Dr.	7,500	
	To General Reserve A/c			7,500
	(Being DRR for 1,500 debentures transferred)			

SHIVOM CLASSES 8696608541

Mar. 31	Debentureholders' A/c Dr. To Bank A/c (Being amount paid)		1,00,500	1,00,500
Mar. 31	Statement of Profit and Loss Dr. To Debenture Interest A/c (Balance transferred)		18,000	18,000
2020 Mar. 31	Debenture Interest A/c Dr. To Debentureholders' A/c (Being interest due on 1,500 debentures)		9,000	9,000
Mar. 31	Debentureholders' A/c Dr. To Bank A/c (Being amount paid)		91,500	91,500
Mar. 31	Bank A/c Dr. To DRI A/c (Being DRI realised)		11,250	11,250
Mar. 31	DRR A/c Dr. To General Reserve A/c (Being balance of DRR transferred)		7,500	7,500

5. ऋणपत्रों का 10% प्रीमियम पर निर्गम व 10% प्रीमियम पर शोधन :

Journal:

Date	Particulars	L. F.	Amount Debit	Amount Credit
			₹	₹
2014 April 1	Bank A/c Dr. To Debenture Application and Allotment A/c (Being application money received)		3,30,000	3,30,000
"	Debenture Application and Allotment A/c Dr. Loss on Issue of Debentures A/c Dr. To 12% Debentures A/c To Securities Premium Reserve A/c To Premium on Redemption A/c (Being debentures issued at 10% premium and redeemable at 10% premium)		3,30,000 30,000	3,00,000 30,000 30,000
	Remaining entries will be same as given in part 4 dated from 2015, March 31 till end.			

6. ऋणपत्रों का 10% बट्टे पर निर्गम और 10% प्रीमियम पर शोधन किया जाए:

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Journal:

Date	Particulars		L.F.	Amount Debit ₹	Amount Credit ₹
2014 April 1	Bank A/c	Dr.		2,70,000	
	To Debenture Application and Allotment A/c				2,70,000
	(Being application money received)				
"	Debenture Application & Allotment A/c	Dr.		2,70,000	
	Loss on Issue of Debentures A/c	Dr.		60,000	
	To 12% Debentures A/c				3,00,000
	To Premium on Redemption A/c				30,000
	(Being debentures issued at 10% discount and redeemable at 10% premium)				
2015 Mar. 31	Statement of Profit and Loss	Dr.		60,000	
	To Loss on Issue of Debentures A/c				60,000
	(Being loss written off)				
	Remaining entries will be same as given in part 4 dated from 2015, March 31.				

SHIVOM CLASSES 8696608541